दैनिक
स्वर्णिम प्रदेश
PRN: MCN/329/2025-2027
http://www.swarnimpradesh.in
http://epaper. swarnimpradesh.in
Email- swarnimpradesh@yahoo.com
संरक्षक: मां वैष्णों देवी
* वर्ष: 08 * अंक : 144 * मुंबई, मंगलवार, 18 नवंबर 2025 * पेज: 6 * मूल्य: 2 रुपये * संपादक: सुनील कुमार तिवारी

विज्ञापन देने के लिए संपर्क करें
अगर आप अपने विशेष अवसरों को खास बनाना चाहते हैं या महत्वपूर्ण सूचनाओं को व्यापक जनता तक पहुँचाना चाहते हैं, तो दैनिक स्वर्णिम प्रदेश आपके लिए सही मंच है। चाहे जन्मदिन की बधाई हो, शादी की सालगिरह, गुमशुदगी की सूचना, कानूनी नोटिस या कोई अन्य व्यक्तिगत और व्यावसायिक विज्ञापन, हम आपके संदेश को सही तरीके से पहुंचाने में मदद करेंगे। आपके विज्ञापन से समाचार पत्र को आर्थिक सहायता प्राप्त होगी, जो इसे और बेहतर सेवाएं प्रदान करने में मदद करेगी।
संपर्क: ईमेल:swarnimpradesh@yahoo.com
या वाट्सऐप नं. 8898271111

सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र सरकार को चेताया: स्थानीय निकाय चुनावों में 50 प्रतिशत से अधिक आरक्षण न दें, वरना चुनाव स्थगित होंगे

संवाददाता

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को स्पष्ट और कड़ी टिप्पणी करते हुए कहा कि महाराष्ट्र सरकार आगामी स्थानीय निकाय चुनावों में ५० प्रतिशत से अधिक आरक्षण प्रदान करने से बचे। अदालत ने साफ शब्दों में चेतावनी दी कि यदि राज्य ने आरक्षण की सीमा का उल्लंघन किया, तो शीर्ष अदालत चुनाव प्रक्रिया को ही स्थगित कर देगी। यह मामला न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ के समक्ष सुनवाई के लिए आया था। पीठ ने कहा- यदि यह तर्क दिया जा रहा है कि नामांकन प्रक्रिया शुरू हो चुकी है और अदालत को हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए, तो हम चुनाव स्थगित कर देंगे। इस अदालत की शक्तियों की परीक्षा न लें। संविधान पीठ द्वारा निर्धारित ५० प्रतिशत सीमा को पार करने का कोई सवाल ही नहीं उठता। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि राज्य में स्थानीय निकाय चुनाव २०२२ के जे. के. बंठिया आयोग की रिपोर्ट से पहले की स्थिति के आधार (**शेष पेज २ पर**)

दुबई एयर शो 2025 में भारत-यूएई रक्षा सहयोग पर महत्वपूर्ण बैठक

इंडिया पवेलियन में भारत की शक्ति दशार्ती ब्रह्मोस मिसाइल

संवाददाता

नई दिल्ली। दुबई एयर शो २०२५ के दौरान रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के अपने समकक्ष मोहम्मद मुबारक अल मजरुई के साथ द्विपक्षीय बैठक की। सोमवार को हुई इस महत्वपूर्ण बैठक में दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग को और मजबूत करने पर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक का मुख्य फोकस संस्थागत तंत्र को सुदृढ़ करना, रक्षा प्रदर्शनी में सहयोग बढ़ाना, संयुक्त प्रशिक्षण कार्यक्रमों का विस्तार करना और रक्षा क्षेत्र में अनुसंधान, सह-विकास तथा सह-उत्पादन के नए अवसरों को आगे बढ़ाना रहा।

रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने दुबई एयर शो में इंडिया पवेलियन का उद्घाटन किया। इस अवसर पर भारत के राजदूत डॉ. दीपक मित्तल, संयुक्त सचिव अमित सतीजा, वायु सेना उप प्रमुख एयर मार्शल नरमदेश्वर तिवारी और नौसेना के वाइस एडमिरल समीर सक्सेना सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। इंडिया पवेलियन में स्वदेशी लड़ाकू विमान तकनीक, अगली पीढ़ी के

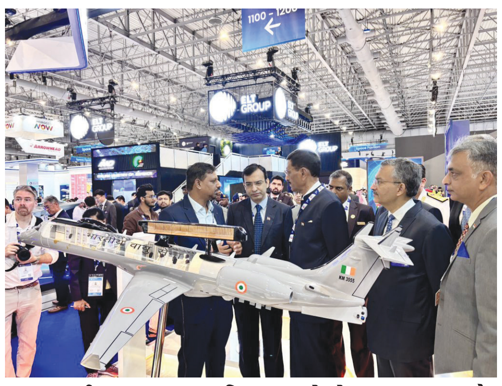

रक्षा स्टार्टअप्स, अत्याधुनिक एयरोस्पेस नवाचार और आत्मनिर्भर भारत की उपलब्धियों को प्रदर्शित किया गया है। मंत्री संजय सेठ ने दुबई एयर शो में ब्रह्मोस मिसाइल स्टॉल का भी उद्घाटन किया। ब्रह्मोस इस अंतरराष्ट्रीय आयोजन में प्रमुख आकर्षण बना हुआ है। यह सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल जहाज, मोबाइल लॉन्चर, पनडुब्बियों और लड़ाकू विमानों से दागी जा सकती है तथा भूमि और समुद्री दोनों लक्ष्यों को (**शेष पेज २ पर**)

आईआईटीएफ 2025 में महाराष्ट्र की संस्कृति, उद्योग और उद्यमिता का भव्य प्रदर्शन

संवाददाता

नई दिल्ली। नई दिल्ली के प्रगति मैदान में आयोजित ४४वें भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले (आईआईटीएफ) में इस वर्ष महाराष्ट्र ने 'भागीदार राज्य' के रूप में विशेष उपस्थिति दर्ज कराई है। इस विशेष दर्जे के कारण महाराष्ट्र का मंडप पूरे मेले का मुख्य आकर्षण बना हुआ है। महाराष्ट्र सदन के आवासीय आयुक्त (निवेश) सुशील गायकवाड़ ने मंडप का अवलोकन करते हुए कहा कि महाराष्ट्र का यह प्रदर्शन राज्य की ऐतिहासिक विरासत और आधुनिक औद्योगिक शक्ति को उजागर करता है और यह पूरे राज्य के लिए गौरव का विषय है। मेले में स्थापित यह मंडप महाराष्ट्र की समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा, ऐतिहासिक धरोहर, आधुनिक उद्योगों की उपलब्धियों, ग्रामीण महिला उद्यमिता, पारंपरिक हस्तशिल्प और नए स्टार्ट-अप विचारों का सम्मिश्रण प्रस्तुत करता है। महाराष्ट्र के समग्र विकास और विविध पहचान को दर्शाने वाला यह मंडप दर्शकों को खूब आकर्षित कर रहा है। गायकवाड़ ने भ्रमण के दौरान मंडप के विभिन्न विभागों, जिलों और थीम-आधारित स्टॉलों का विस्तार से निरीक्षण किया। उन्होंने स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं द्वारा तैयार पारंपरिक खाद्य पदार्थों (**शेष पेज २ पर**)

विकसित महाराष्ट्र विजन 2047 के लिए विश्वविद्यालयों को 15 दिनों में डिजिटल डैशबोर्ड तैयार करने के निर्देश

संवाददाता

मुंबई। उच्च एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री चंद्रकांतदादा पाटिल ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि महाराष्ट्र के सभी विश्वविद्यालय 'विकसित महाराष्ट्र विजन २०४७' के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए ठोस और समयबद्ध कदम उठाएँ। सोमवार को मंत्री पाटिल ने कहा कि विश्वविद्यालयों की संकाय भर्ती, शैक्षणिक गुणवत्ता, प्रशासनिक कार्य और समग्र दक्षता की निगरानी के लिए बनाए जा रहे एकीकृत डिजिटल डैशबोर्ड को अगले १५ दिनों में अनिवार्य रूप से पूरा किया जाए। मुंबई विश्वविद्यालय में आयोजित 'विकसित महाराष्ट्र विजन २०४७ और उच्च शिक्षा शैक्षिक परिवर्तन: विश्वविद्यालयों की भूमिका एवं योगदान' विषयक सम्मेलन में मंत्री पाटिल बोल रहे थे।

इस अवसर पर उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव बी.वेणुगोपाल रेड्डी, मुख्यमंत्री कार्यालय की प्रधान सचिव अश्विनी भिडे, सचिव डॉ. श्रीकर परदेशी, तकनीकी शिक्षा निदेशक डॉ. विनोद मोहितकर, उच्च शिक्षा निदेशक डॉ. शैलेंद्र देवलंकर, कला निदेशालय के निदेशक डॉ. किशोर इंगले, उप सचिव प्रताप लुबल, संयुक्त सचिव संतोष खोरगड़े सहित राज्य भर के सभी विश्वविद्यालयों के कुलपति और प्रतिकुलपति उपस्थित थे। मंत्री पाटिल ने कहा कि प्रत्येक विश्वविद्यालय के लिए दो सदस्यीय विशेष टीम

नियुक्त की जाएगी, जो डैशबोर्ड की प्रगति की जाँच करेगी, विश्वविद्यालय जाकर डेटा सत्यापित करेगी और पूरे सिस्टम को त्रुटिरहित बनाएगी। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों को अपने सभी कार्यों की नियमित समीक्षा करनी चाहिए और हर तीन महीने में एकीकृत समीक्षा बैठक अनिवार्य रूप से आयोजित की जाएगी। इसके साथ ही, वंदे मातरम् गीता के १५० वर्ष पूरे होने पर सभी विश्वविद्यालयों में विशेष सांस्कृतिक और शैक्षणिक कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश भी दिए गए। अतिरिक्त मुख्य सचिव बी.वेणुगोपाल रेड्डी ने कहा कि यह डैशबोर्ड पूरी तरह सटीक, पारदर्शी और त्रुटिरहित होना चाहिए। सभी सूचनाएँ एक ही स्थान पर उपलब्ध हों और प्रत्येक विश्वविद्यालय अपने डैशबोर्ड की विस्तृत जाँच कर उसे (**शेष पेज २ पर**)

लाल किले विस्फोट की जांच में नया मोड़ एनआईए की टीम कोलकाता सुधार गृह पहुंची

संवाददाता

कोलकाता। दिल्ली के ऐतिहासिक लाल किले के पास हुए भीषण विस्फोट की जांच हर बीतते दिन के साथ और जटिल होती जा रही है। विस्फोट के बाद पूरे देश में हाई अलर्ट जारी है। अब जांच में एक नया आयाम जुड़ गया है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की छह सदस्यीय टीम कोलकाता के एक सुधार गृह पहुंची, जहां उन्होंने एक कैदी से घंटों पूछताछ की। यह कदम विस्फोट के पीछे की संभावित साजिश को समझने के प्रयास का हिस्सा है। एनआईए सूत्रों के अनुसार, ब्लास्ट मामले में जिन लोगों के नाम सामने आए हैं, उनसे लगातार पूछताछ की जा रही है। इसी क्रम में पश्चिम बंगाल के एक व्यक्ति का नाम भी जांच के दायरे में आया है, जो वर्तमान में राज्य की एक जेल में ड्रग सप्लाई गिरोह से जुड़े मामले में बंद है। उसकी गतिविधियों और संचार नेटवर्क की जांच के बाद (**शेष पेज २ पर**)

मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना की ई-केवाईसी की अंतिम तिथि अब 31 दिसंबर तक बढ़ाई गई

संवाददाता

मुंबई। मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के अंतर्गत ई-केवाईसी प्रक्रिया को लेकर राज्य सरकार ने एक बड़ा निर्णय लिया है। कुछ जिलों में हाल ही में हुई प्राकृतिक आपदाओं, दस्तावेज़ संबंधी बाधाओं और बड़ी संख्या में महिलाओं द्वारा उठाई गई समस्याओं को देखते हुए, ई-केवाईसी की अंतिम तिथि १८ नवंबर २०२५ से बढ़ाकर ३१ दिसंबर २०२५ कर दी गई है। यह जानकारी महिला एवं बाल विकास मंत्री अदिति (**शेष पेज २ पर**)

एफडीए के आईबी विभाग में कार्यरत दो एफएसओ पर रिश्वतखोरी और धमकी के गंभीर आरोप!

मीरा-भायंदर होटल्स असोसिएशन ने एफडीए आयुक्त और प्रधान सचिव से की लिखित शिकायत

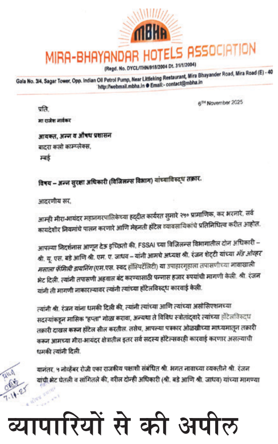
MBHA
MIRA-BHAYANDAR HOTELS ASSOCIATION
(Regd. No. DYCL/THN/918/2004 Dt. 31/1/2004)
Gala No. 3/4, Sagar Tower, Opp. Indian Oil Petrol Pump, Near Littleking Restaurant, Mira Bhayander Road, Mira Road (E) - 40
http://webmail.mbha.in ● Email:- contact@mbha.in

6TH November 2025

प्रति,
मा राजेश नार्वेकर
आयुक्त, अन्न व औषध प्रशासन
बांद्रा कर्ला काम्प्लेक्स,
मुंबई

विषय – अन्न सुरक्षा अधिकारी (विजिलन्स विभाग) यांच्याविरुद्ध तक्रार.

आदरणीय सर,

आम्ही मीरा-भायंदर महानगरपालिकेच्या हद्दीत कार्यरत सुमारे २५० प्रामाणिक, कर भरणारे, सर्व कायदेशीर नियमांचे पालन करणारे आणि मेहनती हॉटेल व्यावसायिकांचे प्रतिनिधित्व करीत आहोत.

आपल्या निदर्शनास आणून देऊ इच्छितो की, FSSAI च्या विजिलन्स विभागातील दोन अधिकारी – श्री. यू. एस. बडे आणि श्री. एम. ए. जाधव – यांनी आमचे अध्यक्ष श्री. रंजन शेट्टी यांच्या मॅड ओव्हर मसाला फॅमिली डायनिंग (एस.एस. स्वद हॉस्पिटॅलिटी) या उपाहारगृहाला तपासणीच्या नावाखाली भेट दिली. त्यांनी तपासणी अहवाल बंद करण्यासाठी पन्नास हजार रुपयांची मागणी केली. श्री. रंजन यांनी ती मागणी नाकारल्यावर त्यांनी त्यांच्या हॉटेलविरुद्ध कारवाई केली.

त्यांनी श्री. रंजन यांना धमकी दिली की, त्यांनी त्यांच्या आणि त्यांच्या असोसिएशनच्या सदस्यांकडून मासिक "हप्ता" गोळा करावा, अन्यथा ते विविध स्त्रोतांद्वारे त्यांच्या हॉटेलविरुद्ध तक्रारी दाखल करून हॉटेल सील करतील. तसेच, आपल्या पत्रकार ओळखीच्या माध्यमातून तक्रारी करून आमच्या मीरा-भायंदर क्षेत्रातील इतर सर्व सदस्य हॉटेल्सवरही कारवाई करणार असल्याची धमकी त्यांनी दिली.

यानंतर, ५ नोव्हेंबर रोजी एका राजकीय पक्षाशी संबंधित श्री. भगत नावाच्या व्यक्तीने श्री. रंजन यांची भेट घेतली व सांगितले की, वरील दोन्ही अधिकारी (श्री. बडे आणि श्री. जाधव) यांच्या मागण्या

7-11-25

संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) में खाद्य विभाग के इंटेलिजेंस ब्रांच (आईबी) में कार्यरत दो फूड सेफ्टी ऑफिसर्स (एफएसओ) उत्तरेश्वर बडे और माणिक जाधव पर कई व्यापारियों ने रिश्वतखोरी, दबाव और धमकाकर वसूली जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं। मीरा-भायंदर होटल्स असोसिएशन ने इन दोनों अधिकारियों के खिलाफ प्रधान सचिव धीरज कुमार और एफडीए आयुक्त राजेश नार्वेकर को विस्तृत लिखित शिकायत भेजी है। शिकायत में कहा गया है कि दोनों अधिकारी होटल व्यवसायियों के विरुद्ध कार्रवाई का भय दिखाकर जबर्दस्ती धन की मांग कर रहे हैं और वसूली न देने वाले व्यापारियों को लगातार परेशान कर रहे हैं।

रंजन शेट्टी से ५० हजार मांगने का आरोप

७ नवंबर २०२५ को भेजी गई शिकायत के अनुसार, एफएसओ बडे और जाधव ने एस.एस.स्वद हॉस्पिटैलिटी के संचालक रंजन शेट्टी से 'जांच रोकने' के नाम पर ५०,००० रुपए की मांग की। श्री रंजन द्वारा रकम देने से इंकार करने पर उनके होटल के खिलाफ कार्रवाई और उन्हें विभिन्न माध्यमों से बदनाम करने की धमकी दी गई। असोसिएशन ने यह भी आरोप लगाया कि दोनों अधिकारियों ने अन्य होटल संचालकों से वसूली के लिए असोसिएशन पर दबाव बना रहे और अप्रत्यक्ष रूप से धमकाते हैं।

नासिक के व्यापारी ने भी की शिकायत

नासिक के तेल व्यवसायी प्रकाश पटेल ने भी इसी तरह के आरोप लगाते हुए प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमसो), लोकायुक्त और मंत्री नरहरि जिरवाल को शिकायत भेजी है। श्री पटेल ने कहा कि आईबी कोकण मण्डल में कार्यरत एफएसओ उत्तरेश्वर बडे दिनांक ९ अक्तूबर को नाशिक में आया और एफ़एसओ अश्वनी पाटिल के साथ कुछ अन्य अधिकारी उनके पास पैसे मांगने आए थे। उन्होंने दावा किया कि उन्हें मंत्री नरहरि जिरवाल ने भेजा है। पटेल के अनुसार, उन्होंने पैसे देने से इनकार किया और इस संबंध में मंत्री नरहरि जिरवाल, आयुक्त राजेश नार्वेकर तथा प्रधानमंत्री कार्यालय व लोकायुक्त को शिकायत की है। उन्होंने नासिक के एक कार्यक्रम में मंत्री को ज्ञापन भी दिया है, लेकिन कोई कार्रवाई होती नजर नहीं आ रही। पटेल का कहना है कि ठाणे के कई व्यापारियों का शोषण एफएसओ उत्तरेश्वर बडे और माणिक जाधव ने किया है। व्यापारी डर के चलते चुप रहते हैं, लेकिन उन्हें कई लोगों के फोन आए और सभी ने अपनी आपबीती बताई है। उन्होंने कहा कि सरकार गुप्त जांच कराए और व्यापारियों के भीतर भय को समाप्त करे।

एफडीए आयुक्त छुट्टी पर, शिकायत दक्षता विभाग को भेजी गई

बता दें कि एफडीए आयुक्त राजेश नार्वेकर लंबी छुट्टी पर हैं, और मामले पर प्रतिक्रिया के लिए प्रभारी आयुक्त श्रीधर दुबे-पाटिल से संपर्क करने पर उन्होने कहा- अगर शिकायत आई है तो मै देखता हु। आयुक्त कार्यालय से जानकारी मिली की मीरा-भायंदर होटल्स असोसिएशन की शिकायत को दक्षता विभाग के सह आयुक्त डॉ. राहुल खाड़े को जांच के लिए भेजा गया है। दोनों आरोपी एफएसओ सह आयुक्त डॉ.राहुल खाड़े को रिपोर्ट करते है। अब जांच का क्या होगा ये तो वक्त बताएगा? वही संवाददाता द्वारा आरोपी एफएसओ से संपर्क नहीं किया गया क्योंकि आशंका जताई गई कि वे संवाददाता

पर उल्टे आरोप लगाने का प्रयास कर सकते हैं।

व्यापारियों में आक्रोश, नवी मुंबई प्रकरण भी चर्चा में

व्यापारिक संगठनों का कहना है कि एफडीए के अन्य एफएसओ की इस तरह की शिकायतें नहीं आतीं, लेकिन इन दो अधिकारियों का व्यवहार लगातार विवादों में है। सूत्रों के अनुसार एफ़एसओ उत्तरेश्वर बडे और माणिक जाधव ने लोकल एफ़एसओ के साथ नवी मुंबई में कोल्ड स्टोरेज पंचगंगा से करीब ५ करोड़ का खाद्य सामग्री को खराब बातकर जब्त किया गया। इसी प्रकार भानु कोल्ड स्टोरेज और साधक कोल्ड स्टोरेज से करीब १.५ करोड़ के खाद्य सामग्री को खराब बातकर जब्त किया गया। लेकिन एफडीए की इतनी बड़ी कार्रवाई और कही कोई खबर नहीं आई। सूत्रो का दावा है कि व्यापारियों पर दवाब बनाकर लाखो की वसूली होने के बाद उन्हें आश्वासन दिया कि नमूने की रिपोर्ट सही आएगी और माल छोड़ देंगे! जिसमे प्रयोगशाला के अधिकारी के मिलीभगत से इनकार नहीं किया जा सकता हैं। जो गंभीर जांच विषय है। जिसमे कोकण मंडल के सह आयुक्त की भूमिका सवालों के घेरे में आ गई है। यही नही इनकी नियुक्ति कोकण मंडल का कार्यक्षेत्र हैं लेकिन वसूली तंत्र का नेटवर्क पूरे महाराष्ट्र में संचालित कर रहे हैं। वहीं सवाल यह उठता है कि इनकी नियुक्ति आईबी जैसे महत्व-पूर्ण विभाग में कैसे हुई। बताया जाता कि इसकी कार्यप्रणाली पहले से संदिग्ध रही है।

एफडीए के एक अधिकारी ने व्यापारियों से की अपील

जब संवाददाता ने इस पूरे प्रकरण पर एफडीए के एक अधिकारी से बातचीत की, तो उन्होंने व्यापारियों से आह्वान किया कि यदि किसी भी अधिकारी द्वारा रिश्वत, वसूली या दबाव डाला जा रहा हो, तो व्यापारी बिना किसी भय के आगे आएं और विभाग को लिखित शिकायत दर्ज कराएं। अधिकारी का कहना था कि पारदर्शी जांच और उचित कार्रवाई तभी संभव है जब पीड़ित पक्ष अपनी शिकायत आधिकारिक रूप से दर्ज कराए। वहीं विभाग के एक अन्य अधिकारी ने स्पष्ट किया कि केवलएफडीए स्तर पर शिकायत दर्ज होने से कई बार तुरंत परिणाम इसलिए नहीं मिल पाते, क्योंकि विभाग के पास एसीबी या पुलिस जैसी जांच शक्तियाँ—जैसे सीडीआर (कॉल डिटेल रिकॉर्ड) की जांच या संपत्ति की जांच करने के अधिकार—उपलब्ध नहीं हैं। अधिकारी के अनुसार, 'शिकायतें विभाग से आगे फॉरवर्ड तो होती रहती हैं, लेकिन जब कार्रवाई जांच एजेंसी तक जाती है तो उनके पास तकनीकी जांच के अधिकार होते हैं। इसलिए पुलिस व एसीबी को शिकायत करना ज्यादा बेहतर होगा।

संपादकीय

बिहार चुनाव से उपजे सवाल?

बीजेपी, जेडीयू यानी एनडीए दिल्ली, लखनऊ, पटना में जश्न मना रही है। चुनावी एक्सपर्ट ढूंढ रहे हैं कि क्या बिहार की जनता को शिक्षा, रोजगार, चिकित्सा की बदहाली भूल गई है। चुनाव प्रचार के पूर्व ही कांग्रेस के नेता राहुल गांधी और आरजेडी नेता ने समूचे बिहार में रैलियां कीं और चुनाव आयोग द्वारा **SIR** के नाम पर वोट चोरी के आरोप लगाए। चुनाव आयोग की वेबसाइट से सारे प्रमाण निकालकर जनता को दिखाया। मताधिकार छीनने की बातें भी कही। सुप्रीम कोर्ट में समाजसेवी पत्रकार यादव ने उन १६ लोगों को जीवित खड़ा कर दिया जिन्हें चुनाव आयोग ने मृत बताकर मताधिकार से वंचित कर दिया था। फिर भी बेशर्मी से चुनाव आयोग ठहाके लगाकर हंस रहा था। राहुल गांधी और तेजस्वी यादव की रैलियों में लाखों युवा, पूर्व शौकीन महिलाएं उपस्थित रहीं, जबकि मोदी की रैली में सरकारी कर्मचारियों और सरकारी स्कूल, टेक्निकल स्कूल के छात्रों को ही धमकाकर शामिल किया गया, अपितु महिलाओं-पुरुषों को पांच सौ रुपए नकद, साड़ी देने के वादे किए और फिर मुकर गए लाने वाले। समूचे बिहार में सत्ता-विरोधी भीड़ देखकर चुनावी परिदृश्य बदलाव के मूड में दिखा। बीस गांव के दस हजार निवासियों ने चुनाव का वहिष्कार कर दिया। बूथ पर चुनावी कार्यकर्ता राह देखते रह गए। धमकियां दी गई वोटरों को। **SIR** के बहाने ६५ लाख वोटरों के नाम काटे गए थे। किसान, युवा, गरीब—कोई भी सत्ता के पक्ष में नहीं दिखा। चुनाव आयोग ने पहले फेज की वोटिंग प्रतिशत दूसरे फेज के मतदान के दिन बताया। मेन स्ट्रीम मीडिया विपक्षी नेताओं को खलनायक बताने में जुटा रहा। एनडीए की भारी बहुमत दिखाने में सारे चैनल लगे रहे। पीके नाम से मशहूर प्रशांत किशोर ने चुनाव बाद अपने तीन प्रत्याशियों को चुनाव चिन्ह लेकर जाते और बीजेपी के बिहार प्रभारी तथा केंद्रीय मंत्री शाह के साथ फोटो खिंचवाते हुए देखे गए। अपहरण के भी आरोप लगाए प्रशांत ने।

चुनाव नतीजे बीजेपी की कल्पना से भी परे निकले। शाह ने तो १६० सीटें मिलने के दावे किए थे। एनडीए को मिली २०२ यानी अप्रत्याशित जीत देखी गई। इसके पहले शाह जितनी सीटें जीतने के दावे करते थे, ठीक उतनी सीटें मिलती रही हैं। यह संयोग से अधिक प्रयोग लगता है। चुनाव एक्सपर्ट अब ७४ सीटों पर आयोग की वेबसाइट दिखाकर आरजेडी को बीजेपी और अन्य एनडीए सहयोगियों के वोट से अधिक दिखाते हुए दावा करते हैं कि मतगणना में भारी हेरफेर किया है चुनाव आयोग ने। अभी तक जिला लेवल पर किसी सत्ताधारी प्रत्याशी को हारने के बावजूद चंद वोटों से जीतने की बातें सामने आती रही हैं, लेकिन बिहार विधानसभा चुनाव में तो चुनाव आयोग ने ही एनडीए के हारे प्रत्याशियों- जिनकी संख्या ७४ बताई जाती है को अपनी वेबसाइट पर जीता दिए। स्ट्रांग रूम के सीसीटीवी बंद कर वैन और ट्रक लाने, घंटों बाद बाहर निकल ने के वीडियो सामने आए। यहां तक कि स्ट्रांग रूम में कई संदिग्ध व्यक्तियों के जाने, बीवी पेट की पर्चियां निकालकर फेंकने के वीडियो वायरल किए गए। बीजेपी सांसद-विधायकों द्वारा दिल्ली और पटना में भी वोट डालने के वीडियो सामने आए। चुनाव आयोग मौन रहा। मतगणना के समय बिहार के पूर्व डिप्टी सीएम सिन्हा के भीतर जाकर काउंटिंग के किसी अधिकारी को कान में निर्देश देने का भी वीडियो सामने आया है, लेकिन चुनाव आयोग न देखता है, न सुनता है, न बोलता है। कहा जाता है कि बिहार चुनाव पहले से ही फिक्स्ड था।

बिहार विधानसभा चुनाव में बीजेपी को ९५ सीट मिलनी- क्या इत्तेफ़ाक हो सकता है? महाराष्ट्र, हरियाणा के दूसरे फेज के चुनावी परिणाम को याद करें तो दूसरे फेज के चुनाव में बीजेपी को ९५ सीटें मिली थीं। आखिर क्या है यह? प्रशांत किशोर आरोप लगाते हैं कि चुनाव आयोग हर चुनाव में दूसरे फेज के मतदान में बीजेपी को जीता देता है। उन्होंने विश्व बैंक के हजारों करोड़ फंड को सिर्फ बिहार की सवा करोड़ महिलाओं के खाते में दस हजार तब भेजे जब आचार संहिता लागू हो चुकी थी। बिहार के सबसे बड़े त्यौहार छठ पूजा के समय वादे किए गए थे हजारों स्पेशल ट्रेन चलने का, लेकिन बिहार के लोग ही बता सकते हैं कि दिल्ली-मुंबई जैसे महानगरों से कैसे गांव गए। वहीं रेलवे हरियाणा आदि राज्यों में मजदूरी करने गए बिहारियों को बिहार भेजने के लिए बाकायदा स्पेशल ट्रेनें ही नहीं, मुफ्त यात्रा- बीजेपी का पट्टा डालकर बिहार भेजा गया ताकि बीजेपी को वोट करें। गरीब बेचारे अपने पैसे से गांव नहीं जा पाते, इसलिए वोट देने के लिए मुफ्त में भेजा गया। सवाल है यह आचार संहिता का उल्लंघन है या नहीं। चुनाव आयोग को इसका जवाब देना चाहिए कि क्यों आचार संहिता लागू होने के बावजूद दस-दस हजार रुपए कथित रूप से रोजगार के लिए भेजे गए और ट्रेन से बिना पैसे हजारों बिहारी मजदूरों को वोट बीजेपी को देने के लिए भेजा जाना आचार संहिता का उल्लंघन क्यों नहीं हुआ? इस पर चुनाव आयोग ने कोई एक्शन क्यों नहीं लिया? खुलेआम लल्लन सिंह बोलते वीडियो में देखे गए कि गरीबों-मजदूरों को उनके घर से निकलने नहीं देना है। क्या इस तरह की खुलेआम प्लानिंग बताना आचार संहिता का उल्लंघन है या नहीं? छह वर्षों में छह मुख्यमंत्री बनवाने की योजना बनाने वाले प्रशांत किशोर, जिन्होंने बिहार की सभी सीटों पर अपने प्रत्याशी खड़े किए थे उन्होंने खुला आरोप लगाया कि उनके प्रत्याशियों को डराया-धमकाया गया। चुनाव आयोग के नियम के अनुसार धमकाना भी आचार संहिता का उल्लंघन है। सवाल उठता है कि बिहार चुनाव के समय क्या बिहार के आईएएस और पुलिस इतने निकम्मे थे कि गुजरात, यूपी से आईएएस, आईपीएस भेजने की जरूरत पड़ गई? सुरक्षा के लिहाज से लगता है बिहार की पुलिस नाकारा है, जो लॉ एंड ऑर्डर लागू नहीं करा सकती थी, जो बीजेपी शासित राज्यों से पुलिस की अनेक टुकड़ियों को बिहार भेजना आवश्यक हो गया? भेजना ही था तो पड़ोसी राज्यों—बंगाल आदि की पुलिस भेजी जा सकती थी। बीजेपी शासित प्रदेशों की ही पुलिस भेजने का मकसद क्या था? ६ और ११ तारीख दो फेज में चुनाव कराए गए। पहले फेज से अधिक वोट दूसरे फेज में बताए गए। चुनाव आयोग की वेबसाइट में शाम बताया गया कि कुल ७.४२ करोड़ मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया, परंतु ऐन मतगणना के पूर्व ७.४५ करोड़ मतदाता बताए गए। अब तीन लाख मत कैसे बढ़ गए? दोनों फेज के चुनाव में ६६.९१ प्रतिशत मतदान की घोषणा चुनाव आयोग ने की। अब अगर गणना की जाए तो लगभग ११ करोड़ मतदाता बिहार में हैं, जबकि बिहार की आबादी ही मात्र १३ करोड़ है। फिर ११ करोड़ मतदाता होना कैसे संभव है? पहले ६५ लाख मतदाताओं को मृत और बाहर चले जाना बताकर वोटर कम किए गए, यानी नाम काट दिए गए। चुनाव आयोग की वेबसाइट पर बताया गया कि पहली बार मतदाता बनने के लिए १६ लाख युवाओं ने फॉर्म ६ भरे, लेकिन फिर नए मतदाताओं के नाम २१ लाख कहां से कैसे जुड़ गए? वोटरों के बूथ पर पहुंचने पर अक्सर कहा गया कि तुम्हारा वोट गिर चुका है।

आखिर उन्होंने वोट दिए नहीं तो वे कौन लोग हैं जिन्होंने पहले ही वोट डालने का ठेका ले रखा था? पुलिस द्वारा वोटरों को धमकाने, वापस भेजने के भी वीडियो सोशल मीडिया में जारी किए गए, जिसमें वोटर खुद कहते दिखे और सुने गए कि उनका वोट पहले ही गिर चुका है। नियमानुसार ऐसे मतदाताओं से दो रुपए जमा कराकर वोट दिलाए जाते रहे हैं। बिहार में कोई चैलेंज वोट क्यों नहीं डालने की बात सामने आई? सबसे बड़ी बात यह कि चुनाव आयोग ने खुद बताया कि कुल ७.४२ करोड़ मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया, तो फिर कुल मतदान ७.४५ करोड़ यानी ३ लाख मतदाता कैसे बढ़ गए? चुनाव आयोग का दायित्व है पारदर्शी और ईमानदार चुनाव करवाना, लेकिन लग नहीं रहा कि वर्तमान में चुनाव निष्पक्ष कराए जा रहे। पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त भी कई बार चुनाव आयोग की आलोचना कर चुके हैं। जनता, खासकर प्रबुद्ध वर्ग और शिक्षित युवाओं की दृष्टि में चुनाव आयोग पक्षपात कर रहा है। बीजेपी और जेडीयू सहित एनडीए को २०२ सीटें मिलना किसी के गले उतर नहीं रहा।

पेज 1 का शेष...

सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र सरकार...

पर ही कराए जा सकते हैं। आयोग की रिपोर्ट में ओबीसी वर्ग के लिए २७ प्रतिशत आरक्षण की सिफारिश की गई थी, लेकिन यह रिपोर्ट अभी अदालत में विचाराधीन है। इसलिए पहले की स्थिति को ही लागू माना जाएगा। महाराष्ट्र सरकार की ओर से प्रस्तुत सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अनुरोध किया कि मामले की अगली सुनवाई १९ नवंबर को की जाए। उन्होंने यह भी कहा कि नामांकन दाखिल करने की अंतिम तारीख सोमवार है तथा ६ मई के उस आदेश का हवाला दिया, जिसमें चुनाव कराने की मंजूरी दी गई थी। पीठ ने स्थिति का संज्ञान लिया और कहा कि अदालत ने पहले ही संकेत दिया था कि बंठिया आयोग से पूर्व की स्थिति लागू रहेगी, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि सभी वर्गों के लिए एक समान २७ प्रतिशत आरक्षण लागू हो। यदि राज्य ऐसा करता है, तो यह अदालत के पूर्व आदेश का उल्लंघन होगा और परस्पर-विरोधी आदेश उत्पन्न करेगा। सुप्रीम कोर्ट ने उन याचिकाओं पर भी नोटिस जारी किए हैं जिनमें आरोप लगाया गया है कि कुछ स्थानीय निकायों में कुल आरक्षण ७० प्रतिशत तक पहुंच गया है, जो स्पष्ट रूप से संवैधानिक मर्यादा का उल्लंघन है।

दुबई एयर शो 2025 में...

भेदने में सक्षम है। उन्होंने विस्टा स्टार्टअप जोन में प्रदर्शित नई और उन्नत रक्षा तकनीकों का जायजा लिया और रक्षा क्षेत्र के १५ प्रमुख स्टार्टअप्स से बातचीत की। ये स्टार्टअप्स भारत की तकनीकी क्षमता और नवाचार को वैश्विक मंच पर पहचान दिला रहे हैं। दुबई एयर शो २०२५ में भारतीय वायुसेना भी प्रमुख एयर शो में भाग ले रही है। भारत की ओर से रक्षा राज्य मंत्री के नेतृत्व में उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल शामिल है, जिसमें रक्षा विभाग, रक्षा उद्योग उत्पादन विभाग, विदेश मंत्रालय और तीनों सेनाओं के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हैं। इस आयोजन में लड़ाकू विमानों के प्रदर्शन के साथ-साथ द्विपक्षीय वार्ताएं और रक्षा उद्योग सहयोग की चर्चाएँ भी की जा रही हैं। भारत और यूएई के बीच हुई यह बैठक दोनों देशों के रणनीतिक संबंधों को नई दिशा देने और रक्षा क्षेत्र में सहयोग को और मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

आईआईटीएफ 2025...

की प्रदर्शनी की विशेष सराहना की। साथ ही राज्य की भाषाई धरोहर को प्रदर्शित करने वाली 'मराठी भाषा दलाना' की अनूठी प्रस्तुति को भी उन्होंने उत्कृष्ट बताया। उन्होंने पैठणी साड़ी बुनकरों, कोल्हापुरी चप्पल कारीगरों, चमड़े के उत्पाद निर्माताओं, हस्त चित्रकारी कलाकारों और जैविक उत्पाद उद्यमियों से बातचीत की। गायकवाड़ ने कहा कि राज्य सरकार की कारीगरों और उद्यमियों को प्रोत्साहन देने वाली नीतियों के कारण उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर अपनी कला और उत्पाद प्रस्तुत करने का अवसर मिला है, जो अत्यंत सराहनीय है। गायकवाड़ के दौरे के दौरान सहायक आवासीय आयुक्त नितिन शेंडे भी उपस्थित रहे। महाराष्ट्र लघु उद्योग विकास निगम की ओर से सुशील गायकवाड़ का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया गया। उन्हें मंडप की स्थापना की अवधारणा, उद्देश्य, सहभागी विभागों और संपूर्ण प्रस्तुति की संरचना के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। महाराष्ट्र मंडप इस वर्ष के आईआईटीएफ में राज्य की प्रगति, परंपरा और रचनात्मकता का जीवंत प्रतीक बनकर उभरा है।

विकसित महाराष्ट्र विजन...

समयबद्ध रूप से पूरा करे। उन्होंने कहा कि ३० नवंबर तक सभी लंबित मुद्दों का निपटारा किया जाना अनिवार्य है। राज्य सरकार की ओर से उच्च शिक्षा में डिजिटल पारदर्शिता, संकाय भर्ती प्रक्रिया में गति, और शैक्षणिक गुणवत्ता को नई दिशा देने के लिए अनेक पहलें चल रही हैं। यह नया डिजिटल डैशबोर्ड उसी परिवर्तन प्रक्रिया का मुख्य स्तंभ होगा और ३० नवंबर तक की समयसीमा विश्वविद्यालयों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

लाल किले विस्फोट की जांच...

जांचकर्ताओं को संदेह हुआ कि उसका दिल्ली विस्फोट की योजना से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष संबंध हो सकता है। जांच टीम ने उस कैदी के परिवार से भी मुलाकात की और उनके बयान दर्ज किए। जांचकर्ताओं ने यह पता लगाया कि वह कब से जेल में बंद है, जेल में आने से पहले किन-किन लोगों के संपर्क में था और उसकी आवाजाही किन-किन स्थानों तक थी। इसके आधार पर अधिकारियों को कुछ महत्वपूर्ण जानकारियां मिलीं। सुधार गृह के सूत्रों के मुताबिक, एनआईए के अधिकारियों ने कैदी से कई घंटों तक पूछताछ की। पूछताछ का मुख्य उद्देश्य यह जानना था कि क्या वह किसी बड़े आपराधिक गिरोह या किसी अंतर-राज्यीय तोड़फोड़ मॉड्यूल से जुड़ा हुआ है। यह भी जांचा जा रहा है कि क्या उसका ड्रग नेटवर्क किसी उग्रवादी संगठन या आपराधिक समूह से किसी तरह से जुड़ा था। जांच एजेंसी के एक अधिकारी ने बताया कि देश भर में सक्रिय कुछ गिरोह मादक पदार्थों की तस्करी, फर्जी दस्तावेज़ तैयार करना, हथियारों की अवैध आपूर्ति जैसे आपराधिक कामों की आड़ में बड़े पैमाने पर तोड़फोड़ की योजनाएँ भी तैयार करते हैं। दिल्ली में लाल किले के पास हुआ विस्फोट भी ऐसी ही किसी बड़ी साजिश का हिस्सा हो सकता है। इसी वजह से कैदी के मोबाइल रिकॉर्ड, संचार नेटवर्क और वित्तीय लेन-देन की भी गहन जांच की जा रही है। एनआईए सूत्रों का कहना है कि पूछताछ में कुछ अहम सूचनाएँ मिली हैं, जो इस जांच को नई दिशा दे सकती हैं। संभावना है कि आने वाले दिनों में इस कैदी से दोबारा पूछताछ की जाएगी। उधर, लाल किले के सामने हुए विस्फोट के मामले में एनआईए ने रविवार को एक और व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। एजेंसी ने बताया कि आत्मघाती हमलावर डॉ. उमर नबी का सहयोगी आमिर राशिद अली को दिल्ली से गिरफ्तार किया गया है। विस्फोट में इस्तेमाल की गई कार भी उसके नाम पर पंजीकृत थी। जांच एजेंसी का मानना है कि वह विस्फोट की साजिश में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। लाल किले जैसे देश के अत्यंत संवेदनशील और ऐतिहासिक स्थल पर हुए धमाके ने सुरक्षा एजेंसियों को सतर्क कर दिया है।

मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना...

तटकरे ने दी। मंत्री तटकरे के अनुसार, हाल की प्राकृतिक आपदाओं में कई परिवारों को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। अनेक महिलाओं को अपने पति या पिता की मृत्यु के कारण उनके आधार नंबर पर ओटीपी प्राप्त नहीं हो पा रहा था, जिससे ई-केवाईसी अधूरी रह गई। इसी को ध्यान में रखते हुए यह समयसीमा बढ़ाई गई है। सरकार ने स्पष्ट किया है कि जिन पात्र महिलाओं के पति या पिता जीवित नहीं हैं, या जो तलाकशुदा हैं, वे स्वयं अपनी ई-केवाईसी प्रक्रिया पूरी करें। साथ ही, उन्हें संबंधित मृत्यु प्रमाण पत्र, तलाक प्रमाण पत्र या न्यायालय के आदेश की प्रमाणित प्रति जमा करनी होगी। सरकार का उद्देश्य है कि कोई भी पात्र महिला तकनीकी कठिनाइयों या अपरिहार्य कारणों से योजना के लाभ से वंचित न रह जाए। इसी को सुनिश्चित करते हुए समयसीमा में यह महत्वपूर्ण विस्तार किया गया है। महिला एवं बाल विकास मंत्री ने सभी लाभार्थियों से अपील की है कि वे ३१ दिसंबर २०२५ तक अनिवार्य रूप से अपनी ई-केवाईसी प्रक्रिया पूरी कर लें, ताकि योजना का लाभ निर्बाध रूप से मिल सके।

व्यंग्य: तेरा क्या होगा आला....

मुकेश 'कबीर'

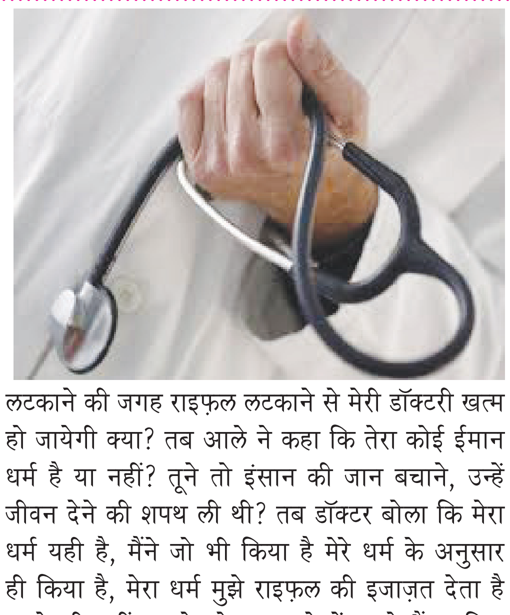

डॉक्टर के हाथ में आला तो देखा था लेकिन अब डॉक्टर हाथ में एके ४७ भी रखने लगे यह देखकर आला घबराया और डॉक्टर से बोला कि जब सारे काम मैं कर देता था फिर तुम यह रायफल क्यूँ लटकाने लगे? तो डॉक्टर बोला सुन वे आले, गलत फहमी मिटा ले, तू सारे काम नहीं करता था तू सिर्फ उतना ही करता था जितना मैं करवाता था, तुझे सीने पर रखकर धड़कन सुनता था, लेकिन अब मुझे दिल की धड़कन नहीं सुनना, मासूम लोगों की चीखें सुनना है इसलिए रायफल पकड़ ली मैंने। अब तेरे साथ दिक्कत यह है कि तुझे गले में लटकाए रखो और हाथों से गोली दवाई देते रहो, ये डबल मेहनत मैं क्यों करूं जब राइफल में आवाज और गोली एक साथ उपलब्ध हो? अब हमें यह सोचने की टेंशन ही नहीं कि किसको कौन सी गोली देना है, अब सिर्फ एक बटन दबाने की जरूरत है बस बाकी सब अपने आप हो जाता है,पेशेंट का मुँह भी खुल जाता है, जुबान भी बाहर आ जाती है, हमें कहने की जरूरत भी नहीं पड़ती। न अब धड़कन सुनने की जरूरत और न ही अलग से गोली देने की जरूरत इसलिए तेरे जैसा आला हमारे ज्यादा काम का है या यह सर्व सुविधायुक्त राइफ़ल? अब तो तू सोच तेरा क्या होगा आला...।

यह सुनकर आला समझ गया कि कुछ तो गड़बड़ है दया, ये आदमी डाकू तो हो सकता है लेकिन डॉक्टर तो कभी नहीं। दया जिस डॉक्टर के मन में दया नहीं वो सब कुछ होगा लेकिन डॉक्टर नहीं इसलिए आले ने पूछा सच सच बता तू डॉक्टर है या कसाई? तब डॉक्टर ने कहा कि तुझे मेरा चोगा और टोपी दिखाई नहीं देती क्या? डॉक्टर दिखने के लिए और क्या चाहिए? सफेद चोगा, गोल टोपी और कैबिन में हरा पर्दा, यह सब तो है न मेरे पास, सिर्फ एक आला नहीं होगा तो क्या फर्क पड़ेगा? आला लटकाने की जगह राइफ़ल लटकाने से मेरी डॉक्टरी खत्म हो जायेगी क्या? तब आले ने कहा कि तेरा कोई ईमान धर्म है या नहीं? तूने तो इंसान की जान बचाने, उन्हें जीवन देने की शपथ ली थी? तब डॉक्टर बोला कि मेरा धर्म यही है, मैंने जो भी किया है मेरे धर्म के अनुसार ही किया है, मेरा धर्म मुझे राइफ़ल की इजाज़त देता है आले की नहीं, आले को हम ताले में रखते हैं इसलिए चुपचाप पड़ा रह! अब आला समझ चुका था कि दुनिया बदल चुकी है, अब लुटेरे आयेंगे दानी के भेष में और भक्षक आयेंगे रक्षक के भेष में। आज के दौर में जान लेने का सबसे सरल तरीका यही है कि डॉक्टर बन जाओ, लोग आपको भगवान समझकर आयेंगे और आप उन्हें भगवान के पास पहुंचाएंगे, आसानी से।

पता नहीं कैसा वक़्त है हम पुलिस के हाथ से तो राइफल्स छीन रहे हैं और डॉक्टर के भेष में छिपे चंद दरिन्दे उस राइफल को धारण कर रहे हैं, इसीलिए सारे फसाद हो रहे हैं। अब वक़्त है कि हम डाक्टर का सिर्फ चोगा और टोपी देखकर भ्रमित ना हों, यह जरूर चेक करें कि डॉक्टर ने इंसानियत की पढ़ाई की है या नहीं? हमारे देश में हमेशा से डॉक्टर को धरती के भगवान का दर्जा प्राप्त है, जिसे सिर्फ जान बचाने की तालीम दी जाती है, जान लेने की तालीम तो सिर्फ कसाई को दी जाती है, इसलिए डॉक्टर के पास जाने से पहले उसकी जांच पड़ताल जरूर कर लें कि वह डॉक्टर है या.....।

चुनाव सुधार: भ्रामक प्रचार का समाधान आवश्यक

डॉ.सुधाकर आशावादी

महाराष्ट्र, हरियाणा और बिहार में जनमानस ने जिस प्रकार से खुलकर मतदान किया,उससे स्पष्ट हो गया है, कि जनता आधी छोड़ पूरी को ध्यावे पूरी मिले न आधी पावे, जैसे सत्य को समझ चुकी है। वह सत्ता प्राप्ति के लिए किये जाने वाले अकल्पनीय सुविधाओं के वादों पर यकीन नहीं करती। वह अपने क्षेत्र में किसी भी प्रकार की अराजकता को स्वीकार करने के पक्ष में नहीं है। वह अतीत का स्मरण करके सोच समझकर निर्णय लेती है, भावनाओं में बहकर मतदान नहीं करती। इतिहास साक्षी है कि उत्तर प्रदेश और बिहार ऐसे प्रदेश रहे हैं, जिनमें एक समय में अराजकता अपनी चरम सीमा पर रही। उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी के शासनकाल में जिस प्रकार से आम आदमी का जीना मुहाल था, सड़कों पर चलना भी सुरक्षित नहीं था, उस स्थिति से निजात पाने के लिए उत्तर प्रदेश के मतदाताओं ने प्रदेश की सत्ता से समाजवादी पार्टी को बेदखल किया।

उसी प्रकार बिहार में राष्ट्रीय जनता दल के शासन काल में जंगलराज से निजात पाने के लिए जनता ने नीतीश कुमार को अपना मत एवं समर्थन दिया, जो लम्बे समय से बरक़रार है। मतदाताओं ने जाति व धर्म की संकीर्णता से ऊपर उठकर सुशासन को ही एकमात्र विकल्प मानकर बढ़ चढ़ कर मतदान किया तथा चुनाव को प्रभावित करने के लिए नाकारा व अस्तित्वहीन राजनीतिक दलों के झूठे व भ्रामक विमर्श को नकार दिया तथा स्पष्ट सन्देश दिया कि स्वस्थ लोकतंत्र में आम मतदाता किसी भी वंशवादी राजनीतिक दल या नकारात्मक राजनीति करने वाले अराजक तत्वों का गुलाम नहीं है। कहना गलत न होगा, कि स्वस्थ लोकतंत्र के लिए देश, काल और परिस्थिति के अनुसार समय समय पर चुनाव सुधार किये जाने आवश्यक हैं।

देश का दुर्भाग्य है,कि अपनी संकीर्ण राजनीति के चलते कतिपय राजनीतिक दल चुनाव सुधारों का विरोध करते रहे हैं। बिहार हो अथवा बंगाल, इन राज्यों में एस.आई.आर. का विरोध केवल इसलिए किया गया,कि लाखों की संख्या में बने फर्जी वोटों को न काटा जाए। अब जब पूरे देश में विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है तथा पश्चिमी बंगाल में अवैध रूप से बसे घुसपैठियों को खदेड़ा जा रहा है, तब राजनीतिक दलों में अधिक बौखलाहट दिखाई दे रही है।

बिहार चुनाव परिणामों ने जाति आधारित राजनीति करने वाले विघटनकारी तत्वों की नींद उड़ा दी है। उन्हें एक समय में दिल्ली में हुए चुनावों में आम आदमी पार्टी की बम्पर विजय पर कोई संदेह नहीं हुआ,अब बिहार में आम आदमी द्वारा सुशासन के पक्ष में बढ़ चढ़ कर दिया गया जनादेश उन्हें हजम नहीं हो पा रहा है। समझ नहीं आता,कि एक ही प्रकार के जनादेश को वे प्रतिकूल नजरिए से देखने की निर्लज्जता कैसे दिखा सकते हैं। बहरहाल जो भी हो, चुनाव को पारदर्शी बनाने के लिए मतदाता सूचियों को दुरुस्त करने, फर्जी वोट काटने की प्रक्रिया को सतर्कता से पूर्ण किया जाना चाहिए,ताकि चुनावों की निष्पक्षता पर किसी भी प्रकार से भ्रामक विमर्श को विस्तार का अवसर न मिले।

एल.आई.सी

भारतीय जीवन बीमा से संबंधित किसी भी जानकारी या समस्या समाधान हेतु संपर्क करें।

-भारत सिंह

मो.9967255741

महत्वपूर्ण सूचना

विज्ञापन प्रति के स्वीकृति पूर्व एहतियातन बरती जाने के बावजूद, उसमें अंतर्भूत बाते जांचना संभव नहीं है। ऐसी अंतर्भूत बातों के लिए दैनिक **स्वर्णिम प्रदेश** के अंतर्गत समाचार पत्र या प्रकाशनों में आनेवाली कंपनियां, संस्थाए या व्यक्तिगत विज्ञापनों के साथ हुए किसी भी प्रकार के व्यवहार के लिए समाचार पत्र जिम्मेदार नहीं है।

मेष: आज निर्णय लेने की क्षमता मजबूत रहेगी। करियर में कोई रुका हुआ कार्य आगे बढ़ सकता है। ऑफिस में आपकी ऊर्जा और नेतृत्व क्षमता सभी को प्रभावित करेगी। आर्थिक मामलों में लाभ की संभावना है, लेकिन निवेश सोच-समझकर करें। परिवार में शांति रहेगी, पर किसी बुजुर्ग की सेहत को लेकर चिंता हो सकती है।

वृषभ: आज आर्थिक स्थिति में सुधार का दिन है। कोई पुराना लेन-देन निपट सकता है। काम में स्थिरता रहेगी और आपकी गंभीरता का सम्मान होगा। परिवार में किसी बात को लेकर आपका व्यावहारिक दृष्टिकोण महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। प्रेम संबंधों में समझदारी बढ़ेगी। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

मिथुन: आज बातचीत और बुद्धिमत्ता आपका सबसे बड़ा हथियार होगा। कार्यक्षेत्र में आपकी बात सुनी जाएगी और आपके आइडियाज पसंद किए जाएंगे। आर्थिक रूप से संभला हुआ दिन, बस अनावश्यक खर्च से बचें। रिश्तों में एक हल्का तनाव संभव है—बेहतर संवाद से स्थिति सुधरेगी।

कर्क: आज मन थोड़ा भावुक रहेगा, जिससे निर्णय लेने में समय लग सकता है। करियर में सहयोगियों से मदद मिलेगी। वित्तीय स्थिति स्थिर रहेगी, लेकिन लग्ज़री चीजों पर खर्च बढ़ सकता है। परिवार में आपकी भूमिका महत्वपूर्ण होगी। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।

सिंह: आज का दिन आपके लिए बेहद अनुकूल रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी और कोई महत्वपूर्ण अवसर मिल सकता है। आर्थिक लाभ मिलने का योग है। प्रेम संबंधों में समझ बढ़ेगी और पार्टनर आपसे प्रभावित रहेगा। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

कन्या: आज सूझ-बूझ और अनुशासन आपके सबसे मजबूत हथियार रहेंगे। काम में सूक्ष्मता से की गई मेहनत का लाभ मिलेगा। आर्थिक मामलों में स्थिरता रहेगी। परिवार में कोई छोटा मतभेद हो सकता है, पर आपकी शांत स्वभाव से हल निकल आएगा। स्वास्थ्य में गैस या पेट की दिक्कत हो सकती है।

तुला: आज सामाजिक और पेशेवर दोनों क्षेत्रों में आपका आकर्षण बढ़ेगा। लोग आपकी बातों और आपकी उपस्थिति से प्रभावित होंगे। आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी और नए अवसर मिल सकते हैं। रिश्तों में पॉजिटिव बदलाव आएगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा।

वृश्चिक: आज रहस्यपूर्ण और रणनीतिक सोच आपका काम आसान कर देगी। किसी महत्वपूर्ण योजना पर काम आगे बढ़ सकता है। आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगा, पर जल्दबाज़ी में निर्णय न लें। रिश्तों में गहरी बातचीत की ज़रूरत है। मानसिक तनाव हल्का रह सकता है।

धनु: आज रोमांच, सीख और नए अवसरों का दिन है। करियर में कोई नई जानकारी या प्रशिक्षण का अवसर मिल सकता है। आर्थिक स्थिति संतुलित रहेगी, पर खर्च बढ़ सकता है। परिवार में आपका हंसमुख स्वभाव माहौल हल्का करेगा। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

मकर: आज मेहनत का असर साफ दिखेगा। कार्यक्षेत्र में जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं, लेकिन आप उन्हें आसानी से संभाल लेंगे। आर्थिक रूप से अच्छा दिन, निवेश का भी योग बन रहा है। परिवार में सम्मान मिलेगा। स्वास्थ्य में कमर या गर्दन का दर्द हो सकता है।

कुंभ: आज आपके नवाचार और अनूठे विचार काम आएंगे। कार्यक्षेत्र में आपकी रचनात्मकता की सराहना होगी। आर्थिक स्थिति स्थिर रहेगी। रिश्तों में मतभेद हो सकते हैं, लेकिन संवाद से मामला सुलझेगा।

मीन: आज अंतर्ज्ञान बेहद प्रबल रहेगा। किसी महत्वपूर्ण निर्णय में दिल की आवाज़ सही दिशा देगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। परिवार में प्रेम और भावनात्मक समर्थन मिलेगा। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा, पर पानी अधिक पीएं।

महाराष्ट्र देश का पहला राज्य बना जो परमाणु ऊर्जा से बिजली उत्पादन पहल में हुआ शामिल
महाराष्ट्र स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में बनेगा अग्रणी राज्य: मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस

संवाददाता

मुंबई। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि महाराष्ट्र स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में अग्रणी राज्य बनने की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठा रहा है। सोमवार को उनके आधिकारिक निवास वर्षा पर महाराष्ट्र राज्य विद्युत उत्पादन कंपनी लिमिटेड (महाजेंको) और भारतीय परमाणु ऊर्जा निगम लिमिटेड(एनपीसीआईएल) के बीच एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

इसके साथ ही महाराष्ट्र केंद्र सरकार की परमाणु ऊर्जा आधारित बिजली उत्पादन पहल में भाग लेने वाला देश का पहला राज्य बन गया है। कार्यक्रम में ऊर्जा विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव आभा शुक्ला, एनपीसीआईएल के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक बी.सी.पाठक, महाराष्ट्र परिवर्तन संस्थान (मित्र) के सीईओ प्रवीण परदेशी, महाजेंको के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक राधाकृष्णन बी. सहित दोनों संस्थानों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि भारत के तेज़ी से विकास के लिए स्वच्छ, सुरक्षित और विश्वसनीय ऊर्जा की आवश्यकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 'स्वच्छ ऊर्जा-सक्षम राष्ट्र' नीति राज्यों को परमाणु ऊर्जा परियोजनाओं में भागीदारी के अवसर दे रही है। उन्होंने कहा कि अब तक यह क्षेत्र केवल केंद्र सरकार के अधिकार क्षेत्र में था, पर पहली बार महाराष्ट्र जैसे राज्य को इसमें प्रत्यक्ष भागीदारी का अवसर मिल रहा है। मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि महाराष्ट्र देश की 'डेटा सेंटर राजधानी' बन चुका है, जहां ५० से ६०प्रतिशत डेटा सेंटर क्षमता मौजूद है। इस क्षेत्र के लिए २४ घंटे उपलब्ध स्वच्छ बिजली अत्यंत आवश्यक है, और परमाणु ऊर्जा इस आवश्यकता को सबसे प्रभावी रूप से पूरा करेगी। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र को एनपीसीआईएल के अनुभव और विशेषज्ञता का सीधा लाभ मिलेगा। इस अवसर पर महाजेंको और एनपीसीआईएल की ओर से राधाकृष्णन बी. और बी. सी. पाठक ने समझौते पर हस्ताक्षर किए। दोनों संस्थानों के तकनीकी और प्रशासनिक अधिकारियों ने परियोजना के विभिन्न पहलुओं पर विचार-विमर्श किया।

२०४७ तक स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन का रोडमैप और परमाणु ऊर्जा की बढ़ती भूमिका

पारंपरिक ऊर्जा उत्पादन तकनीकों पर बढ़ते पर्यावरणीय दबाव को देखते हुए भारत तेज़ी से स्वच्छ ऊर्जा की ओर बढ़ रहा है। जीवाश्म ईंधन आधारित उत्पादन से प्रदूषण, संसाधनों की कमी और अपशिष्ट प्रबंधन जैसी समस्याएँ बढ़ी हैं। इसके विपरीत सौर, पवन और परमाणु ऊर्जा जैसी तकनीकें तेजी से विस्तार कर रही हैं। विशेष रूप से ऊर्जा भंडारण को बढ़ावा मिलने और स्मार्ट ग्रिड तकनीकों के विकास ने स्वच्छ ऊर्जा के उपयोग को अधिक व्यवहारिक बनाया है। भारत का लक्ष्य २०४७ तक ३० ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनना है। इस लक्ष्य तक पहुंचने के लिए कम ण्ध्२ उत्सर्जन वाली तकनीकों की आवश्यकता होगी। २०७० तक 'नेट जीरो उत्सर्जन' हासिल करने के लिए परमाणु ऊर्जा को सबसे विश्वसनीय और स्थिर स्रोत के रूप में देखा जा रहा है, क्योंकि यह २४ घंटे निरंतर बिजली उत्पादन करने में सक्षम है। भारत में वर्तमान में सात स्थलों पर २५ परमाणु रिएक्टर चालू हैं, जिनकी क्षमता ८,८८० मेगावाट है। आठ और रिएक्टर निर्माणाधीन हैं, जिनमें ५०० मेगावाट क्षमता वाला प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर भी शामिल है। इसके अलावा, ७,००० मेगावाट की नई परियोजनाओं के लिए दस रिएक्टर और स्वीकृत किए गए हैं, जिनके लिए केंद्र सरकार ने २,००० करोड़ रुपये के कोष को मंजूरी दी है। औद्योगिक उत्पादन विशेषतः इस्पात, सीमेंट और एल्युमीनियम क्षेत्र में २०४७ तक तेज़ी से वृद्धि का अनुमान है। इन क्षेत्रों को सतत और निर्बाध बिजली आपूर्ति की आवश्यकता होगी। परमाणु ऊर्जा संयंत्र उच्च क्षमता कारक के साथ लगातार बिजली उत्पादन करते हैं, इसलिए वे बेस लोड पावर स्टेशनों के रूप में सबसे उपयुक्त माने जाते हैं। महाराष्ट्र में तेज़ी से बढ़ते औद्योगिक विकास और डेटा सेंटरों की बढ़ती संख्या के कारण २४ घंटे उपलब्ध स्वच्छ ऊर्जा की मांग बढ़ रही है। इस संदर्भ में महाजेंको और एनपीसीआईएल का यह समझौता राज्य के ऊर्जा क्षेत्र के लिए एक ऐतिहासिक मोड़ साबित होगा और २०४७ तक राज्य के स्वच्छ ऊर्जा रोडमैप को नई दिशा देगा।

मुंबई में सीएनजी संकट: गैस पाइपलाइन लीक होने से कई ईंधन पम्प बंद, यात्रियों की बढ़ी मुश्किलें

संवाददाता

मुंबई। मुंबई और मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र (एमएमआर) में सोमवार सुबह १७ नवंबर को सीएनजी की भारी किल्लत देखने को मिली, जब कई सीएनजी ईंधन स्टेशन गैस आपूर्ति बाधित होने के कारण स्टॉक से बाहर हो गए। यह संकट राष्ट्रीय केमिकल्स एंड फर्टिलाइजर्स लिमिटेड (आरसीएफ) परिसर के अंदर गेल की मुख्य गैस सप्लाई पाइपलाइन में रिसाव होने के बाद उत्पन्न हुआ। तीसरे पक्ष द्वारा हुए नुकसान के चलते वडाला स्थित सिटी-गेट स्टेशन पर आपूर्ति रुक गई, जिससे पूरे नेटवर्क पर असर पड़ा और महानगर गैस लिमिटेड (एमजीएल) के कई सीएनजी स्टेशन बंद करने पड़े।

एमजीएल के मुताबिक घरेलू पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) की सप्लाई को प्राथमिकता दी जाएगी और इसे बिना किसी रुकावट के बनाए रखा जाएगा। लेकिन वडाला में आपूर्ति बाधित होने के कारण सीएनजी स्टेशन बंद होने लगे, जिससे मुंबई, नवी मुंबई और ठाणे में सार्वजनिक परिवहन पर बड़ा असर पड़ा। जिन पंपों से

ऑटो, टैक्सी और बसें ईंधन लेती थीं, उनमें स्टॉक खत्म होते ही सप्लाई रोक दी गई। इसके चलते सोमवार सुबह ऑफिस जाने वाले हजारों यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा और कई जगह सीएनजी वाहन चालकों को अपनी सेवाएं बंद करनी पड़ीं।

एमजीएल ने कहा कि घरेलू उपभोक्ताओं को पीएनजी की आपूर्ति निर्बाध रखने के लिए सभी प्राथमिकताएँ तय की गई हैं ताकि घरों में गैस की उपलब्धता प्रभावित न हो। फिलहाल पाइपलाइन की मरम्मत का कार्य जारी है और स्थिति सामान्य करने के प्रयास तेज हैं।

तेंदुए का आतंक: भोंसला मिलिट्री स्कूल के पास सुबह देखा गया तेंदुआ

संवाददाता

नासिक। महाराष्ट्र के नासिक शहर में प्रसिद्ध भोंसला मिलिट्री स्कूल और कॉलेज के पास सोमवार को एक तेंदुआ के दिखाई देने से इलाके में दहशत फैल गई। वन विभाग के अधिकारियों के अनुसार, गंगापुर रोड इलाके के महात्मानगर स्थित स्कूल और कॉलेज के गार्डों ने सुबह करीब १० बजे तेंदुए को देखा। उन्होंने इसे भगाने की कोशिश की, लेकिन तेंदुआ घने जंगल में गायब हो गया।

वन और पुलिस कर्मियों ने इलाके में खोजबीन शुरू की और सुरक्षा के लिए ड्रोन भी तैनात किए गए। स्कूल प्रशासन ने छात्रों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए दिन के बाकी समय के लिए छुट्टी घोषित कर दी। इस घटना से पहले शुक्रवार दोपहर, १५ नवंबर को भी महात्मानगर इलाके में भोंसला मिलिट्री स्कूल के पीछे तेंदुए देखे गए थे। उस समय संत कबीर नगर, कामगार नगर, पारिजात नगर और वनविहार कॉलोनी में भी तेंदुए की उपस्थिति दर्ज की गई। दो घंटे के ऑपरेशन में वन विभाग के दो कर्मचारियों सहित आठ लोग घायल हुए थे।

अनिल अंबानी ने फेमा मामले में ईडी के समक्ष पेश होने से किया इनकार, आभासी गवाही देने का किया प्रस्ताव

संवाददाता

मुंबई। रिलायंस समूह के अध्यक्ष अनिल अंबानी ने सोमवार को दूसरी बार विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के एक मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के समक्ष व्यक्तिगत रूप से पेश होने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि किसी भी तारीख और समय पर वे 'आभासी उपस्थिति/रिकॉर्डेड वीडियो' के माध्यम से एजेंसी के समक्ष पेश होने के लिए तैयार हैं। इससे पहले उन्होंने शुक्रवार को ईडी के समन पर उपस्थित नहीं हुए थे और आभासी गवाही का वही अनुरोध दोहराया। हालांकि, ईडी ने उनके अनुरोध को अस्वीकार कर दिया और दूसरा समन जारी करते हुए उन्हें १७ नवंबर को दिल्ली मुख्यालय में व्यक्तिगत रूप से पेश होने का निर्देश दिया। वरिष्ठ अधिकारियों ने कहा कि फेमा के तहत कार्यवाही दीवानी प्रकृति की होती है, न कि पीएमएलए के तहत आपराधिक प्रक्रियाओं जैसी। यह समन जयपुर-रींगस राजमार्ग परियोजना के १५ साल पुराने ईपीसी अनुबंध से संबंधित फेमा जांच से जुड़ा है।

२०१० में रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर ने प्रकाश एस्फाल्टिंग्स एंड टोल हाईवे **(PATH)** को ईपीसी अनुबंध दिया था, जिसे २०१३ में पूरा किया गया। एजेंसी को संदेह है कि

इस परियोजना से लगभग १०० करोड़ रुपये हवाला के जरिए विदेश भेजे गए थे। ईडी ने अंबानी को तलब करने से पहले कथित हवाला ऑपरेटरों समेत कई व्यक्तियों के बयान दर्ज किए हैं। ईडी का कहना है कि २०१० के ईपीसी अनुबंध से ४० करोड़ रुपये सूरत स्थित शेल कंपनियों के माध्यम से निकाले गए और दुबई भेजे गए। एजेंसी को संदेह है कि यह ६०० करोड़ रुपये से अधिक के अंतरराष्ट्रीय हवाला नेटवर्क का हिस्सा है। इससे पहले अनिल अंबानी से समूह की कंपनियों से जुड़े कथित १७,००० करोड़ रुपये की बैंक धोखाधड़ी से संबंधित एक मनी लॉन्ड्रिंग जांच में भी पूछताछ की गई थी।

वडगांव बुद्रुक में नृशंस हत्या 22 वर्षीय युवक की कोयता और पत्थर से हत्या

संवाददाता

पुणे। पुणे के सिंहगढ़ रोड के पास वडगांव बुद्रुक स्थित एक आवासीय सोसाइटी के पार्किंग क्षेत्र में सोमवार दोपहर करीब २.३० बजे एक नृशंस हत्या की घटना घटी। पांच हमलावरों ने २२ वर्षीय युवक तौकीर शेख पर कोयता से हमला किया और उसके सिर पर पत्थर से वार करके उसकी हत्या कर दी। प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार, यह घटना मीनाक्षीपुरम में कृष्णकुंज बिल्डिंग के पार्किंग क्षेत्र में हुई। तौकीर शेख वहीं बैठा था जब पांच हमलावर आए और उस पर हमला शुरू कर दिया। जमीन पर गिरने के बाद, हमलावरों ने उसके सिर पर पत्थर से प्रहार किया और मौके से फरार हो गए। सिंहगढ़ रोड थाने की पुलिस ने मौके पर पहुँचकर शव को कब्जे में लिया और आगे की कार्रवाई शुरू कर दी। शुरुआती जानकारी से संकेत मिलता है कि हमलावरों में से दो नाबालिग हो सकते हैं। पुलिस हत्या के पीछे के कारण की जाँच कर रही है-चाहे वह आपसी रंजिश, गैंगवार या कोई अन्य वजह हो। संदिग्धों का पता लगाने और उन्हें पकड़ने के लिए टीमें तैनात की गई हैं।

खार में फ्रांसीसी शिक्षिका के साथ छेड़छाड़, आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता

मुंबई। मुंबई के खार इलाके में एक फ्रांसीसी शिक्षिका के साथ कथित छेड़छाड़ की घटना सामने आई। शिकायत के अनुसार, २७ वर्षीय महिला अपने दोस्त से मिलने के बाद घर लौट रही थी, तभी एक स्कूटर सवार व्यक्ति उसके पास आया और उसे गलत तरीके से छूकर तेज़ गति से भाग गया। हालांकि, पीड़ित ने घटना के तुरंत बाद शिकायत दर्ज नहीं कराई। घटना के ५ दिन बाद, यानी १४ नवंबर को पीड़ित ने पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत दर्ज होने के बाद पुलिस तुरंत हरकत में आई। पुलिस ने घटनास्थल के आस-पास लगे ५० से भी ज्यादा सीसीटीवी कैमरों को खंगाला। फुटेज की जांच के दौरान, एक सीसीटीवी फुटेज में आरोपी महिला का पीछा करते हुए दिखाई दिया। पुलिस ने आरोपी के स्कूटर के नंबर से उसका पता लगाया और २४ घंटे के भीतर ही उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी की पहचान सुनील वाघेला के रूप में की है। आरोपी धारावी का रहने वाला है और कबाड़ का काम करता है। पुलिस के मुताबिक, सबसे हैरान करने वाली बात यह थी कि आरोपी का घर पुलिस स्टेशन से महज १०० मीटर की दूरी पर स्थित है।

जब पुलिस आरोपी सुनील वाघेला को गिरफ्तार करने पहुंची, तो उसके परिवार के सदस्यों और स्थानीय लोगों ने हंगामा किया। हंगामा शांत होने के बाद पुलिस आरोपी को पकड़ने में कामयाब रही। आरोपी सुनील वाघेला को रविवार को बांद्रा के हॉलिडे कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने आरोपी को दो दिन की पुलिस कस्टडी में भेज दिया है।

बाला साहेब ठाकरे की 13वीं पुण्यतिथि पर 11 साल बाद साथ दिखे ठाकरे बंधु
उद्धव और राज ने बालासाहेब ठाकरे को किया नमन

संवाददाता

मुंबई। शिवसेना प्रमुख बाला साहेब ठाकरे की सोमवार को १३वीं पुण्यतिथि मुंबई में श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर देशभर से बड़ी संख्या में शिवसैनिक शक्ति-स्थल पर पहुंचे। कार्यक्रम का सबसे महत्वपूर्ण और राजनीतिक रूप से चर्चित क्षण वह रहा जब महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के प्रमुख राज ठाकरे और शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के प्रमुख उद्धव ठाकरे पूरे ११ साल बाद एक साथ नजर आए।

दोनों ठाकरे बंधुओं ने शक्ति-स्थल पर पहुंचकर बाला साहेब को श्रद्धांजलि अर्पित की। उद्धव ठाकरे अपने परिवार—रश्मि ठाकरे और आदित्य ठाकरे के साथ कार्यक्रम में मौजूद थे, जबकि राज ठाकरे मनसे नेता बाला नांदगांवकर और नितीन सरदेसाई के साथ पहुंचे। ठाकरे बंधुओं की यह मुलाकात राज्य की राजनीति के संदर्भ में बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है, खासकर तब जब महाराष्ट्र में स्थानीय स्वराज्य संस्थाओं के आगामी चुनावों की तैयारियाँ शुरू हो चुकी हैं।

इस मुलाकात के बाद मनसे और शिवसेना (यूबीटी) के संभावित गठबंधन की चर्चाएँ और तेज हो गई हैं। शिवसेना के मुखपत्र 'सामना' में भी पुण्यतिथि के दिन एक उल्लेखनीय टिप्पणी प्रकाशित हुई, जिसमें कहा गया कि यदि ठाकरे बंधु फिर एकजुट होते हैं, तो यही बाला साहेब के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। शिवसैनिकों और मनसैनिकों के बीच भी लंबे समय से यह इच्छा जताई जाती रही है कि दोनों भाइयों में एकता हो। सोमवार को दोनों ठाकरे बंधुओं के एक साथ दिखाई देने से

समर्थकों में संतोष और उत्साह का माहौल देखा गया। इसी कार्यक्रम में एक और भावनात्मक क्षण तब देखने को मिला जब कई दिनों से बीमार चल रहे और सार्वजनिक कार्यक्रमों से दूर सांसद संजय राउत भी बाला साहेब ठाकरे को श्रद्धांजलि देने पहुंचे। गंभीर बीमारी के बावजूद राउत मास्क पहनकर भीड़ के बीच शक्ति-स्थल पर आए और बाला साहेब को नमन किया। बीमारी की घोषणा के १७वें दिन वे पहली बार घर से बाहर निकले, जो बाला साहेब के प्रति उनकी भावनात्मक जुड़ाव को दर्शाता है। पुण्यतिथि के इस आयोजन ने न केवल शिवसैनिकों और मनसैनिकों को एक मंच पर लाया, बल्कि राज्य की राजनीतिक दिशा पर भी नए संकेत छोड़ गया है।

पगड़ी किरायेदारों का आज आजाद मैदान में भव्य महाआंदोलन

संवाददाता

मुंबई। पगड़ी एकता संघ ने मंगलवार दोपहर १२ बजे आज़ाद मैदान में पगड़ी किरायेदारों के अधिकारों के लिए एक विशाल महाआंदोलन आयोजित किया है। पिछले ४० वर्षों से पगड़ी किरायेदार अमानवीय परिस्थितियों में जीवन बिताने को मजबूर हैं- जर्जर और असुरक्षित इमारतें, रोज़ ढहने का खतरा, और प्रशासनिक उदासीनता। लगभग २० लाख पगड़ी किरायेदारों के लिए आज तक कोई ठोस नीति नहीं बनाई गई है, जिससे नागरिकों में गहरा आक्रोश व्याप्त है। यही कारण है कि यह ऐतिहासिक जनआंदोलन खड़ा हुआ है। यह महाआंदोलन विभिन्न सामाजिक संगठनों और एनजीओ के व्यापक सहयोग से आयोजित हो रहा है।

इसमें **LTOWA,** माय माटी सेवा फाउंडेशन, म्हाड़ा संघर्ष कृती समिति, मुंबई रेल परिवासी संघ, निवारा अभियान समेत कई प्रमुख संस्थाएँ शामिल हैं। बोरीवली से लेकर चर्चगेट तक की पगड़ी इमारतों के निवासी बड़ी संख्या में इस प्रदर्शन में सहभागी हो रहे हैं। आंदोलन का मुख्य उद्देश्य असुरक्षित इमारतों की स्थिति, लंबित पुनर्विकास प्रक्रियाएँ, और दशकों से चले आ रहे अन्याय पर सरकार का ध्यान आकर्षित करना है। पगड़ी एकता संघ की ओर से सभी प्रमुख राजनीतिक दलों के नेताओं, सामाजिक संगठनों और एनजीओ प्रतिनिधियों को भी इस संघर्ष का हिस्सा बनने का आग्रह किया गया है। मुकेश शाह पेंडसे ने पगड़ी किरायेदारों के इस ऐतिहासिक आंदोलन को सफल बनाने के लिए मंगलवार, १८ नवंबर को आज़ाद मैदान में सभी नागरिकों से उपस्थित रहने का आवाहन किया है।

लोखंडवाला में फार्मेसी व्यवसायी से कथित हनीट्रैप में सोने की चेन चोरी

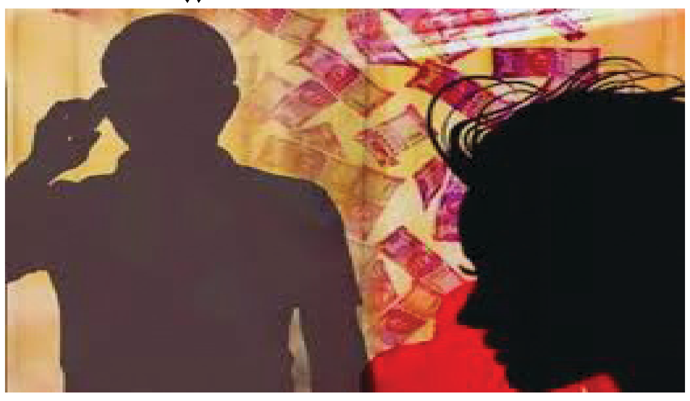

संवाददाता

मुंबई। पुलिस ने बताया कि ५२ वर्षीय एक फार्मेसी व्यवसायी से लोखंडवाला इलाके में कथित रूप से उसकी १५ ग्राम सोने की चेन लूट ली गई। ओशिवारा पुलिस स्टेशन में दर्ज शिकायत के अनुसार, एक अज्ञात महिला पर चोरी का आरोप लगाया गया है। पुलिस के अनुसार, शिकायतकर्ता १ नवंबर की रात को अपने एक दोस्त के साथ मलाड (पश्चिम) स्थित एज़्यूर डिस्को क्लब गया था। लगभग ४ बजे दोनों क्लब से बाहर निकले और लिफ्ट के अंदर उनकी मुलाकात एक अज्ञात महिला से हुई। जब वे पार्किंग क्षेत्र में पहुँचे, उस महिला ने कथित रूप से कहा कि वह ऑटोरिक्शा नहीं ढूंढ पा रही है और उसने अंधेरी के लोखंडवाला इलाके में छोड़ने का अनुरोध किया। दोस्त ने मना कर दिया, लेकिन शिकायतकर्ता सहमत हो गया और महिला को अपनी कार में बैठा लिया। व्हाइट लामा होटल के पास पहुँचने के बाद, महिला ने कथित रूप से उसके करीब आने का प्रयास किया। घर पहुँचने पर ही शिकायतकर्ता को पता चला कि चेन गायब है, जिसकी कीमत लगभग ७५,००० रुपए हैं। शिकायतकर्ता घटना के तुरंत बाद गुजरात चला गया था, इसलिए मामला तुरंत दर्ज नहीं हो सका। १२ नवंबर को, वह महिला के बारे में जानकारी लेने के लिए एज़्यूर क्लब गया, जहाँ प्रबंधन ने महिला का नाम किरण और उसका मोबाइल नंबर दिया। ओशिवारा पुलिस ने मामला दर्ज कर जाँच शुरू कर दी है और संदेह जताया है कि यह चोरी हनीट्रैप के माध्यम से की गई होगी।

with the Mukundra Tiger Reserve's 8-lane tunnel making travel between Delhi and Mumbai easier

Kota. A welcome news has arrived for motorists traveling on the Delhi-Mumbai Expressway. The 4.9-kilometer tunnel being built beneath the Mukundra Hills Tiger Reserve in Rajasthan will open to traffic by March 2026. Approximately 75% of the work on the 8-lane tunnel has been completed, and work is ongoing at a war footing.

Both Tubes Ready on the Chechat Side

The 4.9-kilometer tunnel is built in two tubes beneath the Tiger Reserve. Both tubes on the Chechat side of Kota district are complete. A few meters of work remains on the Gopalpura side, which is being completed. It will be completed in about a month. Electrical panels, sensors, and CCTV cameras are being installed in the tubes. NHAI Project Director Sandeep Agarwal says that after completing both tubes, the road has been paved a few days ago. Sensor, camera, and lighting installations are ongoing simultaneously. The target is to complete this section of the tunnel within two months. If there are no problems, the work will be completed by February. Every effort is being made to open traffic through the tunnel in March.

Work is slow on the Gopalpura section towards Kota

Compared to the rapid pace of work on the Chechat side of the 4.9-kilometer-long tunnel, work is progressing more slowly on the Gopalpura side. Construction is underway on approximately 50 meters of the Gopalpura side of the tunnel, which will be completed this month. This section will also include the installation of roads, sensors, and lights. This could take two to three months. Control rooms are in the finishing stages on both sides. They will monitor the tunnel.

Once the tunnel is operational, a 25-kilometer detour will be eliminated

Traffic from Delhi will operate from the Delhi-Mumbai Expressway at the Gopalpura interchange. To travel towards Mumbai, one has to pass through the Dara Valley via Gopalpura. Traffic jams persist, and then one has to climb onto the highway near Ghatoli village towards Chechat. Due to the tunnel not being fully completed, drivers are forced to take an additional 25-kilometer detour. As soon as the tunnel is completed and traffic resumes, this 25-kilometer detour will be eliminated. Traffic congestion on NH-52 in the Dara Valley will also be reduced.

The UP government has made a major decision: Heart attack patients will receive a free injection in hospitals

Lucknow. The incidence of heart attacks is steadily increasing in Uttar Pradesh. People of all ages are affected by this disease. Sometimes, after experiencing sudden chest pain, patients are unable to reach the hospital. Sometimes, even after reaching the hospital, people die due to unavailability of heart attack-related medications. To address these problems and save heart attack patients, the Yogi government has taken a major step. Tenecteplase and Streptokinase injections, which are used in the event of a heart attack, are now being made available in all medical colleges, district hospitals, and major community health centers in Uttar Pradesh. Most importantly, these injections will be administered completely free of charge to patients. Their market price is around 40,000, but now this facility will be available free of charge in government hospitals.

This injection prevents blood clots

Until now, this injection was only available in a few hospitals, but the Health Department has instructed all CMOs to ensure its availability. According to experts, tenecteplase or streptokinase injections prove extremely effective in the initial period after a heart attack. They prevent

blood clots, significantly increasing the patient's chances of survival. After the injection, the patient will be referred to a super-specialty hospital based on their needs.

What Deputy CM Brajesh Pathak said

In addition, this system is being implemented in community health centers that have ECG and other testing facilities. After a trial, it will be fully implemented in all district hospitals. Deputy CM Brajesh Pathak stated that the state government's goal is to provide quality medical care to every patient. He explained that this injection costs around 40,000 rupees in the market, but is being provided free of charge to patients in government hospitals.

In the first phase, the facility will be available at these hospitals

In the first phase, this system was implemented in the emergency rooms of KGMU, Lohia Institute, SGPGI, BHU Varanasi, Saifai Institute of Medical Sciences, AMU Aligarh, and MLN Medical College Prayagraj. Now, it is being expanded to district hospitals and competent CHCs across the state. Director General of Medical and Health Dr. Ratanpal Singh Suman stated that all CMOs have been given clear instructions to ensure the availability of tenecteplase and streptokinase injections. These injections can help prevent a patient from becoming critical even after a heart attack.

Suspicious youth apprehended at India-Pakistan border, identity revealed after BSF handed him over to police

Jaisalmer. Security agencies are on alert after a suspicious youth was apprehended in the 192 RD canal area near the India-Pakistan international border in Rajasthan. During a routine border patrol in Jaisalmer, the 38th Battalion of the BSF stopped the youth on suspicion and conducted preliminary questioning. He was later handed over to the concerned PTM police station. According to BSF officials, during interrogation, the youth identified himself as Pankaj

Kashyap (21), a resident of Shahjahanpur, Uttar Pradesh. The suspect was seen roaming the border area without any valid reason, which led to his detention. After completing the initial investigation, the BSF handed him over to the police station, where further investigations were initiated. Jaisalmer Superintendent of Police Abhishek Shivhare stated that the BSF handed over the suspect to the PTM police station three days ago. Following this, the youth was thoroughly interrogated by the Joint Interrogation Committee (JIC). According to the SP, no incriminating information or activity was found on the suspect during the investigation. When police contacted the family, they learned that the young man was mentally ill. The family has been informed of the incident and is awaiting their arrival in Jaisalmer. SP Shivhare stated that necessary further action will be taken as soon as the family arrives. Security agencies are on high alert after such a case surfaced in the border area and the entire incident is being closely monitored.

झारखंडने एसआयआरची तयारी केली, सीईओ के. रवी कुमार यांनी 2003 च्या यादीसह मॅपिंग करण्याचे निर्देश दिले

रांची. झारखंडचे मुख्य निवडणूक अधिकारी के. रवी कुमार यांनी सांगितले की, राज्यातील मतदार यादीच्या सखोल पुनरावृत्तीसाठी भारतीय निवडणूक आयोगाकडून सूचना प्राप्त झाल्या आहेत. त्यांनी अधिका यांना आगामी एसआयआरसाठी २००३ च्या मतदार यादीसह सध्याच्या मतदार यादीचे जास्तीत जास्त मॅपिंग सुनिश्चित करण्याचे आवाहन केले. त्यांनी सांगितले की, २००३ च्या मतदार यादीसह पालकांचे मॅपिंग जितके जास्त मतदार करतील तितके त्यांना गणना फॉर्म भरणे सोपे होईल.

निष्काळजीपणा सहन केला जाणार नाही

के. रवी कुमार यांनी सांगितले की, निवडणुकीशी संबंधित कामात निष्काळजीपणा सहन केला जाऊ शकत नाही. जर कोणत्याही बीएलओने त्यांच्या कामात हलगर्जीपणा दाखवला तर त्यांनी त्यांची विभागाला तक्रार करावी आणि निलंबनाची प्रक्रिया सुरू करावी आणि नवीन बीएलओ नियुक्त करावेत. श्री. के. रवी कुमार यांनी सांगितले की, निवडणुकीसाठी नियुक्त केलेली कामे पूर्ण करणे सर्व स्तरावरील अधिका यांना बंधनकारक आहे; या संदर्भात कोणताही निष्काळजीपणा सहन केला जाऊ शकत नाही.
आढावा घेण्याचा एक भाग म्हणून, मुख्य निवडणूक अधिका यांनी सर्व जिल्ह्यांच्या मतदार यादी मॅपिंगचा आढावा घेतला. त्यांनी जमिनीवर येणा या समस्या सोडवण्यासाठी आवश्यक मार्गदर्शक तत्त्वे दिली. त्यांनी सर्व अधिका यांना क्षेत्रीय भेट देऊन मतदार यादी मॅपिंगच्या समस्यांची पाहणी करण्याचे, त्या सोडवण्याचे आणि काम जलद करण्याचे निर्देश दिले.
उप निवडणूक अधिकारी धीरज कुमार ठाकूर यांनी मतदान केंद्रांच्या सुसूत्रीकरणाबाबत पीपीटीद्वारे सर्व अधिका यांना माहिती दिली.

वांद्रे किल्ल्यावर झालेल्या हाय-प्रोफाइल दारू पार्टीमुळे गोंधळ उडाला

फडणवीसांनी कारवाईचे आदेश दिले

मुंबई. मुंबईतील ४०० वर्षे जुन्या ऐतिहासिक वांद्रे किल्ल्यावर झालेल्या दारू पार्टीमुळे गोंधळ उडाला आहे. मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस यांनी या घटनेची चौकशी करण्याचे आदेश दिले आहेत. मुंबईतील निवडणुकीच्या वातावरणात, हेरिटेज मालमत्तेवर झालेल्या दारू पार्टीमुळे राजकीय वातावरण तापले आहे. उद्धव ठाकरे गटाचे नेते अखिल चित्रे यांनी त्यांच्या अकाउंटवर व्हिडिओ शेअर करून राज्य सरकार आणि बीएमसी प्रशासनावर प्रश्न उपस्थित केले आहेत. विरोधकही या मुद्द्यावर आक्रमक झाल्याने, मुख्यमंत्री फडणवीस यांनी या प्रकरणाची दखल घेतली आणि कारवाईचे आश्वासन दिले. ते म्हणाले, "मी घटनेचा व्हिडिओ पाहिलेला नाही, परंतु काही लोकांनी मला त्याबद्दल माहिती दिली आहे. जर अशा पार्टीला परवानगी दिली गेली तर नक्कीच कारवाई केली जाईल."

दारू पार्टीला परवानगी कशी देण्यात आली?

काँग्रेस विधिमंडळ पक्षाचे नेते विजय वडेट्टीवार यांनी राज्य सरकारवर टीका केली आणि हेरिटेज मालमत्तेतील वांद्रे किल्ल्याचे नूतनीकरण करण्याची मागणी केली. या परिस्थितीत दारू पार्टीला परवानगी कशी दिली जात आहे? ठाकरे गटाचे नेते अखिल चित्रे यांच्या मते, राज्यातील किल्ल्यांमध्ये काय चालले आहे? पोर्तुगीजांनी बांधलेल्या आणि नंतर ब्रिटिश आणि मराठा साम्राज्याच्या इतिहासाचे साक्षीदार असलेल्या वांद्रे किल्ल्यामध्ये सरकारचा उत्पादन शुल्क विभाग आणि बीएमसी दारू पार्टीला परवानगी कशी देत आहेत? या दारू पार्टीचे आयोजक कोण आहेत? पर्यटन विभागाचा यात सहभाग आहे का? राज्यात काय घडत आहे? ही भाजप आणि त्यांच्या मित्रपक्षांची ढोंगी हिंदुत्व आणि खोटी संस्कृती आहे. मुंबई भाजप अध्यक्ष अमित साटम यांनीही हे प्रकरण गंभीर म्हटले आहे आणि दोषींवर कारवाई करण्याची मागणी केली आहे. चित्रे यांनी शेअर केलेल्या व्हिडिओमध्ये महिलांची उपस्थिती देखील दिसून येते. पार्टीत दारू देण्यासाठी मोठे काउंटर उभारण्यात आले होते.

दिल्ली बॉम्बस्फोटात वापरलेल्या कारचा मालक आमिरला चौकशीसाठी १० दिवसांची कोठडी सुनावण्यात आली आहे

नवी दिल्ली. दिल्लीच्या लाल किला मेट्रो स्टेशनजवळ झालेल्या स्फोटात वापरल्या गेलेल्या कारचा मालक आमिर रशीद याला न्यायालयाने १० दिवसांची कोठडी सुनावली आहे. तपास यंत्रणा आता आमिरची पुढील १० दिवसांसाठी चौकशी करून त्याच्याकडून माहिती मिळवण्याचा प्रयत्न करेल.
हे लक्षात घ्यावे की, तपासादरम्यान, एनआयएला असे आढळून आले की दिल्ली बॉम्बस्फोटात वापरलेली आय-२० कार आमिर रशीदच्या नावावर नोंदणीकृत होती. आमिर हा जम्मू आणि काश्मीरमधील पंपोर येथील सांबुरा येथील रहिवासी आहे. त्याने दिल्लीत दहशत माजविण्यासाठी डॉ. उमर नबीसोबत कट रचला होता.
न्यायालयाने आमिर रशीदला १० दिवसांची कोठडी सुनावली आहे.
तपास यंत्रणेने आमिर रशीदला अटक केली होती. अटकेनंतर आज त्याला दिल्लीच्या पटियाला हाऊस न्यायालयात हजर करण्यात आले, जिथे न्यायालयाने त्याला १० दिवसांची चौकशी संस्थेकडे सोपवले.
हे लक्षात घ्यावे की हा बॉम्बस्फोट डॉ. उमर नबी यांनी घडवून आणला होता. त्याने लाल किल्ला मेट्रो स्टेशनजवळ गाडी चालवली आणि एक शक्तिशाली स्फोट घडवला. स्फोट इतका शक्तिशाली होता की १३ जणांचा मृत्यू झाला.
तपास यंत्रणांनी उमरची दुसरी गाडी जप्त केली.

स्फोटानंतरच्या फॉरेन्सिक तपासणीत डॉ. उमर नबीनेच हा स्फोट घडवून आणल्याचे उघड झाले. उमर हा फरीदाबादमधील अल फलाह विद्यापीठात जनरल मेडिसिन विभागात सहाय्यक प्राध्यापक होता. तो मूळचा पुलवामा जिल्ह्यातील होता. तपास यंत्रणेने उमरचे एक वाहनही जप्त केले.

तीन वर्षातील सर्वात थंड सकाळ, लवकरच शीतलहरीचा प्रवेश होण्याची शक्यता

नवी दिल्ली. जर तुम्हाला रविवारी सकाळी थोडीशी थंडी जाणवत असेल, तर हे जाणून घ्या की ती तीन वर्षातील सर्वात थंड नोव्हेंबर सकाळ होती. किमान तापमान फक्त ९ अंश होते. यापूर्वी २०२२ मध्ये नोव्हेंबरमध्ये तापमान यापेक्षा कमी झाले होते. जर सोमवारची सकाळही अशीच थंड असेल, तर नोव्हेंबरमध्ये राजधानीत शीतलहर सुरू होईल.
किमान तापमान: २०११ पासून, नोव्हेंबरमध्ये कोणतीही शीतलहर सुरू झालेली नाही. रविवारचे किमान तापमान फक्त ९ अंश होते, जे सामान्यपेक्षा ४.५ अंश कमी होते. यापूर्वी, २०२३ मध्ये, किमान तापमान ७.३ अंशांवर पोहोचले होते, परंतु हे तापमान २९ नोव्हेंबर रोजी नोंदवले गेले. रविवारी, सफदरजंग (बेस स्टेशन) येथे किमान तापमान ९ अंश होते.

शीतलहर कधी घोषित केली जाते?

हे सामान्यपेक्षा ४.५ अंश कमी होते. रिज येथे किमान तापमान ९.७ अंश होते, जे सामान्यपेक्षा ५.७ अंश कमी होते. आयएमडीच्या एका अधिका यानुसार, मैदानी भागात किमान तापमान ४ अंश सेल्सिअसपेक्षा कमी किंवा सामान्य तापमानापेक्षा ४.५ अंश सेल्सिअसपेक्षा कमी झाल्यास थंडीची लाट जाहीर केली जाते. ही स्थिती दोन दिवस कायम राहिल्यास थंडीची लाट जाहीर केली जाते. अधिका याच्या मते, सोमवारी तापमान असेच राहिले तर थंडीची लाट निकष पूर्ण होतील. रविवारी कमाल तापमान २७.५ अंश सेल्सिअस होते, जे सामान्य तापमानापेक्षा १ अंश कमी होते.

दिल्ली-एनसीआरमधील एक्यूआय कमी होत नाहीये आणि प्रदूषणाचे संकट आणखी वाढणार आहे

नवी दिल्ली. गेल्या सहा दिवसांपासून प्रदूषणाने ग्रासलेल्या दिल्लीसाठी दिलासादायक बातमी नाहीये. प्रदूषणाची पातळी आणखी वाढू शकते. अंदाजानुसार, पुढील तीन दिवस राजधानीतील प्रदूषणाची पातळी गंभीर राहू शकते. वा याचा वेग कमी होणे आणि तापमानात घट होणे ही कारणे यासाठी सांगितली जात आहेत.
रविवारचा एक्यूआय: १० नोव्हेंबरनंतर, राजधानीतील प्रदूषणाची पातळी ३८० च्या खाली थोडीशी घसरली होती. गेल्या सहा दिवसांपासून, धुराच्या जाड थराने दिल्ली व्यापली आहे. रविवारी, दिल्लीचा एक्यूआय ३७७ होता. फरिदाबादमध्ये ते २५७, गाझियाबाद ४१९, ग्रेटर नोएडा ४१९, गुरुग्राम ३०१ आणि नोएडाचा एक्यूआय ३८५ होता.
अनेक भागात ४०० च्या वर: अनेक भागात एक्यूआय अजूनही ४०० च्या वर आहे. यामध्ये आनंद विहारचा AQI ४०८, अशोक विहारचा ४११, बवानाचा ४३३, DTU चा ४२२, ITO चा ४१२, जहांगीरपुरीचा ४१३, मुंडकाचा ४०४, नरेलाचा ४१४, नेहरू नगरचा ४०६, पंजाबी बागचा ४०७, रोहिणीचा ४१४, सोनिया विहारचा ४०४, विवेक विहारचा ४१५ आणि वजीरपूरचा ४१६ होता.

येत्या काही दिवसांत हवेची गुणवत्ता खराब

अंदाजानुसार, १७ ते १९ नोव्हेंबरपर्यंत प्रदूषणाची पातळी गंभीर राहील. त्यानंतर, पुढील सहा दिवस ते तीव्र ते अतिशय गंभीर राहू शकते. रविवारी, ताशी ५ ते १५ किमी वेगाने वारे वाहत होते. अंदाजानुसार, पुढील तीन दिवस त्यांचा वेग कमी राहील. यामुळे प्रदूषण वाढू शकते.

अजय ने सुनाया स्काईडाइविंग का खौफनाक किस्सा

अभी हाल ही में 12 नवंबर को ऋषिकेष शिवपुरी में बंजी जंपिंग करते हुए एक लड़के के साथ भयानक हादसा हुआ। उस लड़के के बॉडी से बंधी रस्सी बीच में टूट गई और किसी घर की छत पर जा गिरा। ठीक इसी घटना की तरह अजय देवगन की आंखों के सामने इस तरह का हादसा हुआ। अजय देवगन ने ये डरावनी कहानी खुद सुनाई है और बताया कि वहां उस समय अगला नंबर उनका ही था।

बॉलीवुड के कुछ एक्टर्स अपने स्टंट्स खुद करना पसंद करते हैं जिनमें से एक अजय देवगन भी हैं। इन दिनों वो अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'दे दे प्यार दे 2' के प्रमोशन में जुटे हैं। इसी दौरान उन्होंने कुछ ऐसे किस्से सुनाए जिसकी चर्चा अब से पहले उन्होंने कभी नहीं की थी। उन्होंने स्काईडाइविंग से जुड़ा रूह कंपाने वाला अनुभव शेयर किया जिसमें उन्होंने एक शख्स को अपनी आंखों के सामने मरते हुए देखा था।

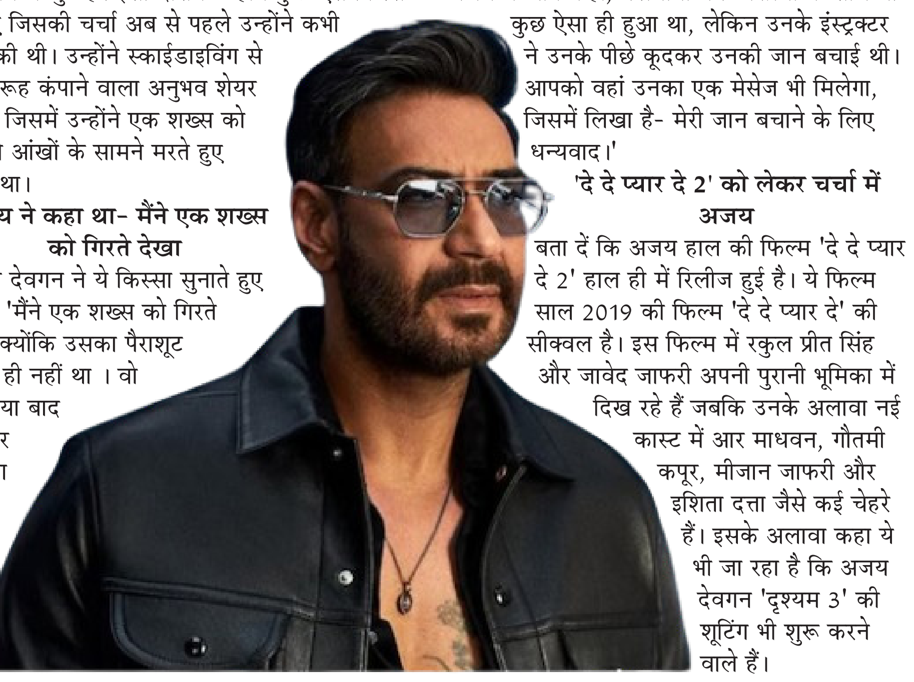

अजय ने कहा था- मैंने एक शख्स को गिरते देखा

अजय देवगन ने ये किस्सा सुनाते हुए कहा, 'मैंने एक शख्स को गिरते देखा क्योंकि उसका पैराशूट खुला ही नहीं था । वो मर गया बाद में और अगला मैं ही था।' 'जैसे ही मैं पहुंचा, मैंने देखा कि कोई गिर गया' 'बुकमायशो' से हो रही बातचीत में आर माधवन ने अजय की निडरता की तारीफ की। उन्होंने बताया कि कैसे वह एक बार बिना किसी प्रैक्टिस के स्काईडाइविंग सीन करने के लिए प्लेन से कूद गए थे। इतना सुनते ही अजय देवगन को एक पुराना किस्सा याद आ गया। उन्होंने अमेरिका में अपनी ट्रेनिंग की एक घटना याद करते हुए कहा, 'जैसे ही मैं पहुंचा, मैंने देखा कि कोई गिर गया क्योंकि उसका पैराशूट खुल ही नहीं पाया। वो मेरी आंखों के सामने मर गया और अगला नंबर मेरा था।'

अजय ने आगे कहा, 'लियोनार्डो डिकैप्रियो के साथ भी कुछ ऐसा ही हुआ था, लेकिन उनके इंस्ट्रक्टर ने उनके पीछे कूदकर उनकी जान बचाई थी। आपको वहां उनका एक मेसेज भी मिलेगा, जिसमें लिखा है- मेरी जान बचाने के लिए धन्यवाद।'

'दे दे प्यार दे 2' को लेकर चर्चा में अजय

बता दें कि अजय हाल की फिल्म 'दे दे प्यार दे 2' हाल ही में रिलीज हुई है। ये फिल्म साल 2019 की फिल्म 'दे दे प्यार दे' की सीक्वल है। इस फिल्म में रकुल प्रीत सिंह और जावेद जाफरी अपनी पुरानी भूमिका में दिख रहे हैं जबकि उनके अलावा नई कास्ट में आर माधवन, गौतमी कपूर, मीजान जाफरी और इशिता दत्ता जैसे कई चेहरे हैं। इसके अलावा कहा ये भी जा रहा है कि अजय देवगन 'दृश्यम 3' की शूटिंग भी शुरू करने वाले हैं।

धर्मेंद्र की तबीयत जानने हेमा मालिनी से मिले शत्रुघ्न सिन्हा

कुछ दिन पहले ब्रीच कैंडी अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद, दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र फिलहाल अपने घर पर डॉक्टर्स की देखरेख में हैं। जहां एक ओर ही-मैन के फैंस उनके स्वास्थ्य संबंधी अपडेट का इंतजार कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर दिग्गज एक्टर शत्रुघ्न सिन्हा अपनी पत्नी पूनम सिन्हा के साथ हेमा मालिनी से मिलने गए और धर्मेंद्र के स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली।

हेमा मालिनी से मिलने के बाद, शत्रुघ्न सिन्हा ने अपने एक्स अकाउंट पर इंडस्ट्री की ड्रीम गर्ल के साथ अपनी मुलाकात की कुछ तस्वीरें शेयर कीं और लिखा, 'अपनी 'बेस्ट हाफ' @PoonamSinha के साथ, हमारी बहुत प्यारी पारिवारिक दोस्त, बेहतरीन इंसानों में से एक, बेहतरीन स्टार, उच्चतम क्षमता की कलाकार, एक योग्य सांसद @ dreamgirlhema से मिलने, उनका अभिवादन करने और ईश्वर की कृपा पाने के लिए गया।'

हेमा मालिनी के चेहरे पर मायूसी

धर्मेंद्र को स्वास्थ्य खराब होने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था और 12 नवंबर को छुट्टी मिलने से पहले उन्होंने कई दिनों तक इलाज करवाया। अस्पताल में रहने के दौरान उनकी मृत्यु की झूठी अफवाहें फैलीं, जिसके कारण उनकी पत्नी हेमा मालिनी और बेटी ईशा देओल ने 11 नवंबर को सार्वजनिक बयान जारी कर पुष्टि की कि वह जीवित हैं और उनकी हालत में सुधार हो रहा है। हालांकि, इन तस्वीरों में हेमा मालिनी के चेहरे पर मायूसी साफ देखी जा सकती है।

घर पर ही हो रहा धर्मेंद्र का इलाज

खबरों के अनुसार, धर्मेंद्र के परिवार ने एक्टर की देखभाल उनके घर पर ही करने का फैसला किया और ब्रीच कैंडी अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद, सनी देओल की टीम ने एक आधिकारिक बयान भी दिया। शत्रुघ्न सिन्हा की शेयर की गई तस्वीर में हेमा मालिनी का चेहरा देख फैंस का दिल बैठा जा रहा है।

बॉलीवुड हंगामा की एक रिपोर्ट के अनुसार, देओल परिवार ही-मैन का 90वां जन्मदिन मनाने की प्लानिंग कर रहा है, अगर उनकी सेहत ठीक रही तो इसे सेलिब्रेट किया जाएगा। मनोरंजन पोर्टल के हवाले से एक सूत्र ने दावा किया, 'अगर भगवान ने चाहा, तो हम अगले महीने दो जन्मदिन मनाएंगे, धरमजी का और ईशा का।' बता दें कि धर्मेंद्र 8 दिसंबर को 90 साल के हो जाएंगे।

महेश बाबू के भतीजे संग इश्क फरमाएंगी रवीना टंडन की बेटी

इस साल की शुरुआत में बॉलीवुड अदाकारा रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी ने हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में अपना सफर शुरू किया। उन्होंने अभिषेक कपूर की फिल्म 'आजाद' से अजय देवगन और उनके भांजे अमन देवगन के साथ एक्टिंग की शुरुआत की। अपने प्यारे हाव-भाव, दमदार डायलॉग डिलीवरी और 'उई अम्मा' गाने पर अपने कातिलाना अंदाज के लिए राशा जल्द ही सेंसेशन बन गईं।

हाल ही में, वह 'मुंज्या' फेम अभय वर्मा के साथ अपनी अगली फिल्म 'लइकी लइका' की शूटिंग में व्यस्त हैं। और अब सोमवार की सुबह ही राशा ने अपने तेलुगू डेब्यू की घोषणा की, जिसमें वह सुपरस्टार महेश बाबू के भतीजे जय कृष्णा घट्टामनेनी के साथ स्क्रीन शेयर करेंगी।

राशा थडानी को मिली तेलुगू फिल्म

राशा थडानी ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर अपनी पहली तेलुगू फिल्म की घोषणा की, जिसका टाइटल फिलहाल #AB4 रखा गया है। वह फिल्ममेकर अजय भूपति के साथ काम करेंगी, जिन्होंने RX 100 (2018) का भी निर्देशन किया था। यह फिल्म महेश बाबू के भतीजे जय कृष्णा घट्टामनेनी के साथ होगी। जय कृष्णा दिवंगत एक्टर रमेश बाबू के बेटे और दिग्गज अभिनेता कृष्णा के पोते हैं।

राशा थडानी का लुक

फर्स्ट लुक पोस्टर में राशा एक काली बाइक के सहारे खड़ी होकर काले रंग की टैंक टॉप और नीली जींस पहने हुए काफी खूबसूरत दिख रही हैं। उनका स्वागत करते हुए, अजय भूपति ने लिखा, 'खूबसूरत और टैलेंटेड @ rashathadani के लिए तेलुगू सिनेमा में जगह बनाइए। #AB4 में उनकी चुंबकीय स्क्रीन प्रेजेंस देखने के लिए बने रहें।'

फैंस का प्यार भरके मिला

राशा के खबर शेयर करने के तुरंत बाद, कई फैंस एक्ट्रेस को बधाई देने के लिए उनके कमेंट सेक्शन में पहुंच गए। ऐसे ही एक इंटरनेट यूजर ने राशा को 'पैन इंडिया सुपरस्टार @ rashathadani' कहा, जबकि एक ने कमेंट में लिखा- ओमजीजी!! यह कुछ खतरनाक है। एक फैन ने कहा- राशु हमें चौंकाने में कभी असफल नहीं होती!

कड़क होंगी हड्डियां, कट-कट की आवाज बंद, आयुर्वेद का देसी नुस्खा, जोड़ों में भरेगा ताकत

सर्दियों के मौसम में हड्डियों में दर्द की समस्या बढ़ जाती है। अगर आप पहले घुटने, कमर, कंधे, कोहनी, टखने या पंजे शरीर के किसी भी जोड़ में दर्द से परेशान हैं, तो आपको ठंड में ज्यादा समस्या हो सकती है। आजकल सिर्फ बुजुर्ग ही नहीं बल्कि 30-35 साल के युवा भी हड्डियों में कमजोरी और दर्द की समस्या की चपेट में आ रहे हैं।

इसके पीछे सबसे आम कारण कैल्शियम और विटामिन डी की कमी है, जिससे हड्डियां कमजोर हो जाती हैं। इसके अलावा आर्थराइटिस यानी गठिया भी इसकी एक बड़ी वजह है जिसमें जोड़ों में सूजन, जकड़न और दर्द बढ़ जाता है। अगर आपका वजन ज्यादा है, आप लंबे समय तक बैठे रहते हैं या फिर फिजिकल एक्टिविटी कम करते हैं और पानी कम पीते हैं, तो भी आपको हड्डियों और जोड़ों की समस्या हो सकती है।

जाहिर है हड्डियों में दर्द की वजह से चलने-फिरने, उठने-बैठने में दिक्कतें आने लगती हैं और रोजाना के कामकाज प्रभावित होते हैं। आयुर्वेद गुरु आचार्य बालकृष्ण आपको हड्डियों में दर्द का घरेलू उपाय (ref.) बता रहे हैं जिससे आपको जल्दी आराम मिल सकता है।

हरसिंगार या पारिजात का पौधा है जोड़ों के दर्द का इलाज

हरसिंगार या पारिजात का पौधा है जोड़ों के दर्द का इलाज आयुर्वेदिक विशेषज्ञ आचार्य बालकृष्ण के अनुसार हरसिंगार एक ऐसा पौधा है जो जोड़ों के दर्द, आर्थराइटिस और मांसपेशियों की जकड़न में बहुत प्रभावी है। इसे नाइट जैस्मिन भी कहा जाता है। इसका उल्लेख कई आयुर्वेद ग्रंथों जैसे चरक संहिता और भावप्रकाश निघंटु में मिलता है। इसके पत्ते, फूल और जड़ सभी औषधीय गुणों से भरपूर होते हैं।

पारिजात जोड़ों का दर्द कैसे ठीक करता है?

हरसिंगार के पत्तों में फाइटोकेमिकल्स, फ्लेवोनॉयड्स और ग्लाइकोसाइड्स होते हैं जो शरीर में सूजन को कम करने में मदद करते हैं। यह जोड़ों में जमा टॉक्सिन्स को निकालता है और यूरिक एसिड को कम करता है, जिससे दर्द और जकड़न में राहत मिलती है। चूंकि यह वात दोष को शांत करने वाला पौधा है, इसलिए यह गठिया और जोड़ों के दर्द में प्राकृतिक रूप से फायदा करता है।

जोड़ों की सूजन के लिए पारिजात के पत्तों का काढ़ा

पारिजात के 4–5 ताजे पत्तों को हल्का कूटकर दो गिलास पानी में डालकर उबालें और जब पानी आधा रह जाए तो इसे छानकर सुबह और शाम पिएं। यह सरल घरेलू काढ़ा जोड़ों में जमा सूजन को कम करने, दर्द को शांत करने और धीरे-धीरे चलने-फिरने में आराम देने में काफी प्रभावी माना जाता है।

हड्डियों के दर्द के लिए पारिजात के पत्तों का रस

ताजे पारिजात के पत्तों को अच्छी तरह पीसकर उनका रस निकाल लें और दिन में एक बार लगभग 1 चम्मच रस पानी के साथ सेवन करें। यह सरल आयुर्वेदिक उपाय शरीर में बढ़े हुए वात को कंट्रोल रखने में मदद करता है, जिससे सूजन, जकड़न और जोड़ों का दर्द धीरे-धीरे कम होने लगता है और शरीर हल्का व सहज महसूस करता है।

कमजोर हड्डियों के लिए पारिजात के पत्तों का पेस्ट

पारिजात के ताजे पत्तों को पीसकर एक मुलायम पेस्ट तैयार करें और इसे सीधे सूजे हुए या दर्द वाले जोड़ों पर लगाकर कुछ समय के लिए छोड़ दें। यह पेस्ट सूजन को कम करने, दर्द और जलन जैसी भावना को शांत करने तथा प्रभावित हिस्से में हल्की ठंडक देकर आराम पहुंचाने में बेहद प्रभावी माना जाता है।

पायरिया से सड़ रहा जबड़ा? रामदेव का देसी नुस्खा, मोती सी चमकेंगे 32 दांत

अधिकतर लोग ओरल हेल्थ को इग्नोर करते हैं। यही वजह है कि बहुत से लोग दांतों में दर्द, पायरिया, मसूड़ों से खून आना और कमजोरी जैसी समस्याओं से पीड़ित हैं। दांत-मसूड़ों की समस्याओं का सबसे बड़ा कारण अनहेल्दी खाना, ज्यादा जंक फूड का सेवन, मीठी चीजों का अधिक सेवन, स्मोकिंग, गलत ब्रश करने की आदतें और दांतों की सही तरह सफाई न करना है।

इन कारणों से दांत कमजोर होते जाते हैं और मसूड़ों में सूजन व इंफेक्शन बनने लगता है। ऐसे में लोग अक्सर डेंटिस्ट के पास जाने से बचते हैं या बार-बार क्लिनिक जाकर इलाज नहीं कर पाते, इसलिए दर्द और पायरिया जैसी समस्याएं लगातार बढ़ती रहती हैं।

लेकिन अगर आप इन परेशानियों से राहत पाना चाहते हैं और एक आसान, सस्ता व घरेलू उपाय ढूंढ रहे हैं, तो योग गुरु बाबा रामदेव द्वारा बताया गया अपामार्ग का उपाय (ref.) आपके लिए बहुत फायदेमंद साबित हो सकता है, क्योंकि यह पौधा प्राकृतिक रूप से दांतों और मसूड़ों को मजबूत बनाने, इंफेक्शन कम करने और पायरिया को जड़ से ठीक करने में मदद करता है।

क्या है अपामार्ग?

अपामार्ग एक औषधीय पौधा है जिसे बाबा रामदेव दांतों और मसूड़ों की समस्याओं के लिए बेहद असरदार बताते हैं। इसका वैज्ञानिक नाम Achyranthes aspera है और इसे हिंदी में चिरचिटा या लटजीरा भी कहा जाता है। यह पौधा अक्सर जंगलों, झाड़ियों और खुले क्षेत्रों में आसानी से मिल जाता है, लेकिन इसकी पहचान न होने की वजह से लोग इसे बेकार समझ कर नजरअंदाज कर देते हैं, जबकि वास्तव में इसमें ऐसे गुण होते हैं जो दांत दर्द, पायरिया और मसूड़ों की कमजोरी जैसी समस्याओं को दूर करने में मदद कर सकते हैं।

दांत दर्द में राहत देता है

अपामार्ग की जड़ में सूजन और दर्द कम करने वाले गुण पाए जाते हैं। जब आप इसकी जड़ से दातुन करते हैं, तो यह मसूड़ों में बनी सूजन को शांत करता है और दांत दर्द को धीरे-धीरे कम करता है। नियमित उपयोग से दांत मजबूत बनते हैं और बार-बार होने वाला दर्द भी काफी हद तक कम हो जाता है।

पायरिया को जड़ से खत्म करने में मदद करता है

पायरिया में मसूड़े कमजोर होकर उनमें सूजन आ जाती है और कई बार खून भी निकलने लगता है। अपामार्ग की जड़ में मौजूद औषधीय तत्व इंफेक्शन पैदा करने वाले बैक्टीरिया को खत्म करते हैं। इसलिए इसका रोज़ाना उपयोग पायरिया को अंदर से ठीक करता है और मसूड़ों को फिर से स्वस्थ बनाने में सहायता करता है।

मसूड़ों को मजबूत बनाता है

कमजोर मसूड़ों के कारण दांत हिलने लगते हैं और चबाने में भी दर्द होता है। अपामार्ग की जड़ मसूड़ों को पोषण देती है और उन्हें मजबूत बनाती है। इससे खून आना, सूजन, और मसूड़ों का ढीलापन जैसी समस्याएं कम हो जाती हैं। नियमित उपयोग से मसूड़े पहले से ज्यादा स्वस्थ और सख्त बनते हैं।

नारियल तेल से लंबे-घने और जड़ से मजबूत होंगे बाल, 1-2 घंटे लगाने भर से ही दिखेगा असर

बालों के पतलेपन, टूटने, झड़ने और रूखेपन जैसी समस्याएं आजकल लोगों के लिए बहुत आम होती जा रही है। हालांकि, इन परेशानियों से निपटने का कोई सटीक तरीका आज भी नहीं है। सभी लोगों के बाल और स्कैल्प अलग होते हैं। ऐसे में उनके सिर में हेयर फॉल रोकने का कौन सा तरीका काम आएगा, ये कोई नहीं बता सकता है। आमतौर पर ऐसी समस्याओं से बचने के लिए लोग शैम्पू-कंडीशनर जैसे केमिकल युक्त प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करते हैं। अगर हमारे बालों में कोई समस्या महसूस होती है, तो हमारे दिमाग में सबसे पहले हेयर केयर प्रोडक्ट्स ही आते हैं। अगर ये महंगे प्रोडक्ट्स आपकी सही तरह मदद नहीं कर पा रहे हैं, तो व्यक्ति को क्या करना चाहिए?

तेल बनाने में इस्तेमाल सामग्री

नारियल तेल
कच्ची प्याज
मेथी के दाने
करी पत्ते
रोजमेरी की पत्तियां
(नोटः सामग्री की मात्रा जरूरत के हिसाब से तय करें)

तेल बनाने की विधि

इस तेल को बनाने के लिए आपको कोई बहुत ज्यादा मेहनत नहीं करनी है। आइए जान लेते हैं कि आप घर पर तेल किस तरह बना सकते हैः

अगर आपके पास वर्जिन कोकोनट ऑयल है, तो आपको डबल बॉयलर प्रोसेस का इस्तेमाल करना है। इसके लिए आप एक भगोनी को पानी को उबालें और उस उबलते हुए पानी में नारियल तेल से भरी कटोरी के रख दें। जब ये अच्छी तरह से गर्म हो जाए, तो आपको ऊपर बताई सभी सामग्री को डालना है।

अब आप इस तेल को मीडियम आंच पर 40-45 मिनट या उससे ज्यादा समय तक उबलने दें।

आपको तेल उबलने के तुरंत बाद गैस से उतार लेना है और फिर विटामिन ई की कैप्सूल को मिलाना है।

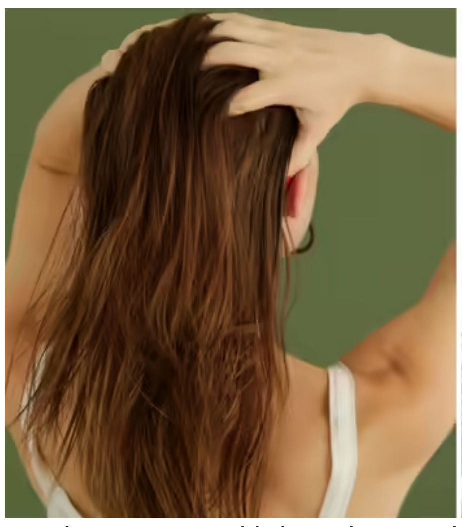

आप इसे रात भर या सिर धोने से कम से कम 2 घंटे पहले लगा लें। इसके बाद आपको जेंटल शैंपू से सिर धो लेना है।

इन बातों का रखें ख्याल

अगर आपके पास वर्जिन कोकोनट ऑयल नहीं है, तो आप सामान्य नारियल तेल का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। अगर आप आम नारियल तेल इस्तेमाल कर रहे हैं, तो डबल बॉयलर प्रोसेस की जरूरत नहीं है। इससे तेल तैयार होने में लगने वाला समय भी कम हो जाएगा।

आप डायरेक्ट किसी पैन में आम नारियल तेल को गर्म करके भी इस तेल को तैयार कर सकते हैं। हालांकि, वर्जिन कोकोनट ऑयल ज्यादा बेहतर ऑप्शन है।

घर पर हेयर ऑयल कैसे बनाएं?

घरेलू तेल से होने वाले फायदे

हेयर ग्रोथ बढ़ती है, बालों का झड़ना कम होता है, बाल लंबे और घने करने में मदद मिलती है, घर पर तैयार तेल की मदद से आप बिना किसी केमिकल के बालों का ख्याल रख सकते हैं। इससे बालों की स्कैल्प के डैमेज होने का खतरा काफी हद तक कम हो जाता है।

मर्दों को पेट के कैंसर का दोगुना खतरा, 6 काम बचाएंगे आपको, लोगों को पता ही नहीं

स्टमक कैंसर या गैस्ट्रिक कैंसर दुनिया भर में ये पांच सबसे ज्यादा पाए जाने वाले कैंसरों में से एक है। आमतौर पर कैंसर का यह प्रकार ज्यादा उम्र में और मर्दों में औरतों के मुकाबले दोगुनी दर से होता है। इसके पीछे कई कारण होते हैं, जैसे जेनेटिक फैक्टर, Helicobacter pylori इंफेक्शन और हमारी खाने की आदतें। अच्छी डाइट लेकर और खतरनाक चीजों को कम करके पेट के कैंसर से बचा जा सकता है।

पेट के कैंसर के कारण- डॉ. पुष्पिंदर गुलिया, डायरेक्टर, सर्जिकल ऑन्कोलॉजी, सीके बिड़ला हॉस्पिटल, गुरुग्राम के मुताबिक पिछले कुछ सालों में मोटापे और वेस्टर्न लाइफस्टाइल की वजह से पेट के कैंसर के केस बढ़े हैं। तंबाकू, शराब और कुछ इंडस्ट्रियल केमिकल्स भी रिस्क बढ़ाते हैं। शरीर पर अधिक फैट, ज्यादा अल्कोहल पीना (45 ग्राम से ज्यादा रोज) और बहुत ज्यादा नमक या प्रोसेस्ड खाना भी पेट के कैंसर का खतरा बढ़ाते हैं।

1. ताजे फल और सब्जियां जरूर खाएं

रोजाना अपने खाने में ताजे फल और हरी सब्जियों को शामिल करें। इनमें विटामिन C, कैरोटिनॉइड्स और फ्लेवोनॉइड्स जैसे एंटीऑक्सीडेंट होते हैं जो स्टमक सेल्स को सेफ रखते हैं। पत्ता गोभी, फूलगोभी, पालक, मेथी और चौलाई जैसी सब्जियों में सल्फोराफेन होता है, जो कैंसर सेल्स को बढ़ने से रोकता है।

2. नमक और प्रोसेस्ड फूड कम करें

बहुत ज्यादा नमक या अचार, स्मोक्ड और पैकेज्ड फूड खाने से पेट की अंदरूनी परत पर बुरा असर पड़ता है। नमक और प्रीजर्वेटिव्स पेट को इरिटेट करते हैं और कैंसर का खतरा बढ़ा देते हैं। कोशिश करें कि घर का ताजा बना खाना खाएं और बाहर का प्रोसेस्ड खाना कम लें।

3. हेल्दी प्रोटीन लें – रेड मीट नहीं

रेड मीट की जगह मछली, चिकन, दाल और टोफू को खाने में शामिल करें। रेड मीट में प्रीजर्वेटिव्स और हाई टेम्परेचर पर पकाने से बनने वाले केमिकल्स हानिकारक होते हैं। स्टीम्ड, उबला या बेक किया हुआ खाना बेहतर रहता है।

4. साबुत अनाज और फाइबर फूड खाएं

ब्राउन राइस, गेहूं, दालें और बीन्स जैसी चीजें पेट की सफाई में मदद करती हैं और शरीर से टॉक्सिन्स निकालती हैं। फाइबर फूड डायजेशन को बेहतर बनाता है और गट माइक्रोबायोम को बैलेंस्ड रखता है, जिससे कैंसर का खतरा घटता है।

5. शराब और धूम्रपान से दूरी

शराब और सिगरेट का कॉम्बिनेशन पेट के कैंसर का सबसे बड़ा कारण है। शराब पेट की झिल्ली को नुकसान पहुंचाती है और धुएं में मौजूद जहरीले तत्वों को शरीर में ज्यादा सोखने देती है। इन दोनों से दूरी बनाना सबसे असरदार बचाव है।

6. प्रोबायोटिक फूड्स लें

दही, केफिर और फर्मेंटेड सब्जियां जैसे प्रोबायोटिक फूड्स पेट के लिए फायदेमंद होते हैं। ये H. pylori इन्फेक्शन को रोकने में मदद करते हैं, जो पेट के कैंसर का बड़ा कारण है। ये इम्यून सिस्टम को मजबूत रखते हैं और पेट में सूजन कम करते हैं।

डिस्क्लेमरः यह लेख केवल सामान्य जानकारी के लिए है। एनबीटी इसकी सत्यता, सटीकता और असर की जिम्मेदारी नहीं लेता है। यह किसी भी तरह से किसी दवा या इलाज का विकल्प नहीं हो सकता। ज्यादा जानकारी के लिए हमेशा अपने डॉक्टर से संपर्क करें।

नोएडा सेक्टर-१८ के कृष्णा प्लाज़ा में तड़के भीषण आग
१५ फायर टेंडर लगाए गए, लाखों का नुकसान

संवाददाता

नोएडा। नोएडा के सेक्टर-१८ स्थित प्रमुख व्यावसायिक परिसर कृष्णा प्लाज़ा में सोमवार तड़के फिर से भीषण आग लग गई। घटना सुबह करीब ३:२० बजे सामने आई, जब प्लाज़ा के बाहरी हिस्से में बने बड़े रेस्टोरेंटों की इलेक्ट्रिकल वायरिंग में शॉर्ट सर्किट होने से आग भड़क उठी। आग देखते ही देखते शाफ्ट के माध्यम से ऊपर की मंजिलों तक फैल गई और पांचवें तल तक पहुंच गई।

सीएफओ प्रदीप चौबे के अनुसार, सूचना मिलते ही फायर विभाग और पुलिस की टीमें मौके पर पहुंचीं। आग की तीव्रता को देखते हुए फायर ब्रिगेड की १५ गाड़ियाँ लगाई गईं। कई घंटे चले अभियान के बाद आग पर पूर्ण रूप से काबू पाया गया। चूंकि आग लगने के वक्त पूरी बिल्डिंग बंद थी, अंदर प्रवेश करने में दिक्कत आई। इस पर टीमों ने शटर काटकर प्रवेश किया और बुझाने का काम शुरू किया। राहत की बात यह रही कि कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन लाखों रुपये के नुकसान की आशंका जताई जा रही है। फायर टीम ने आग पर काबू पाने के बाद पूरे परिसर की वेंटिलेशन और कूलिंग प्रक्रिया भी पूरी की, ताकि दोबारा आग न भड़के।

कुछ महीनों पहले भी लगी थी आग, एक बार फिर सुरक्षा मानकों पर सवाल उठा

कृष्णा प्लाज़ा में आग लगने की यह पहली घटना नहीं है। कुछ महीने पहले भी यहां भीषण आग लगी थी, जिसमें कई लोगों को खिड़कियों से कूदकर अपनी जान बचानी पड़ी थी। उस हादसे ने शहरभर में सुरक्षा मानकों पर गंभीर सवाल खड़े किए थे। अब बार-बार आग लगने की घटनाओं ने बिल्डिंग की सुरक्षा व्यवस्था, इलेक्ट्रिकल मेंटेनेंस और फायर सेफ्टी उपायों पर एक बार फिर सवाल खड़े कर दिए हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि ऐसी घटनाएं संकेत देती हैं कि प्रबंधन और संबंधित एजेंसियों को परिसर की व्यापक सुरक्षा जांच, वायरिंग की समीक्षा और अग्नि सुरक्षा उपकरणों की नियमित जांच अनिवार्य रूप से सुनिश्चित करनी चाहिए। पुलिस और फायर विभाग ने बताया कि आग के वास्तविक कारणों की विस्तृत जांच जारी है। प्लाज़ा प्रबंधन को सुरक्षा मानकों के पालन का निर्देश दिया गया है, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके।

सफीपुर कोतवाली का एएसपी ने किया अर्धवार्षिक निरीक्षण

संवाददाता

उन्नाव,उत्तर प्रदेश। उन्नाव अपर पुलिस अधीक्षक प्रेमचंद ने रविवार को सफीपुर कोतवाली का अर्धवार्षिक निरीक्षण किया। उन्होंने कार्यालय, सीसीटीएनएस कक्ष, महिला हेल्प डेस्क, भोजनालय सहित सभी शाखाओं की व्यवस्थाओं का बारीकी से अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान एएसपी ने रजिस्टरों के संधारण, अभिलेखों की दशा और लंबित प्रकरणों की समीक्षा की। उन्होंने कर्मियों को स्वच्छता, अनुशासन और समयबद्ध निस्तारण के निर्देश दिए। साथ ही कहा कि महिला संबंधित मामलों में त्वरित एवं संवेदनशील कार्रवाई सुनिश्चित की जाए और प्रत्येक फरियादी से शालीन व्यवहार किया जाए। निरीक्षण के समय प्रभारी कोतवाल सुब्रत नारायण त्रिपाठी, चौकी प्रभारी अनिल राजपूत, एसआई योगेंद्र प्रताप सिंह, संजय पांडेय, अशोक सरोज, विनोद सरोज, हेडकांस्टेबल सरोज, अमित सीसीटीएनएस विक्रांत गुज्जर सहित पूरा स्टाफ मौजूद रहा। एएसपी ने कोतवाली परिसर की साफ-सफाई और व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त करते हुए आवश्यक सुधारात्मक दिशा-निर्देश भी जारी किए।

वी.श्रीनिवास बने राजस्थान के नए मुख्य सचिव

संवाददाता

जयपुर, राजस्थान। राजस्थान को सोमवार को नया मुख्य सचिव मिल गया। वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी वी. श्रीनिवास ने राज्य के मुख्य सचिव के रूप में पदभार ग्रहण किया। निवर्तमान मुख्य सचिव सुधांश पंत ने उन्हें कार्यभार सौंपा। पदभार ग्रहण करने के बाद वी. श्रीनिवास ने कहा कि 'राजस्थान मेरी कर्मभूमि रहा है। विकसित राजस्थान २०४७' के विज़न को ध्यान में रखते हुए शासन और प्रशासन की प्राथमिकताओं पर पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य किया जाएगा। राज्य सरकार के उच्च अधिकारियों की मौजूदगी में हुए इस औपचारिक कार्यक्रम के दौरान श्रीनिवास ने टीम वर्क, सुशासन और तेज़ गति से विकास को अपनी प्राथमिकता बताया। उन्होंने कहा कि योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और जनता से जुड़े मुद्दों के त्वरित समाधान पर फोकस रहेगा।

रामदेवरा जा रहे श्रद्धालुओं की ट्रेलर-टेम्पो भिड़ंत में ६ की मौत

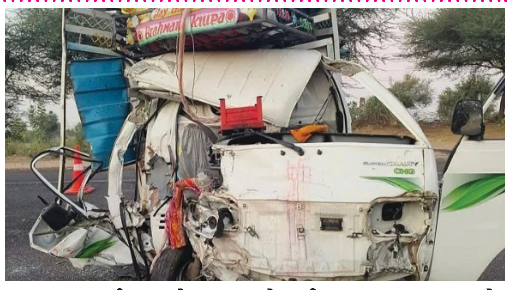

जोधपुर, राजस्थान। जिले के बालेसर क्षेत्र के पास सोमवार अल सुबह तेज रफ्तार ने छह ज़िंदगियों को छीन लिया। ट्रेलर और मिनी टेम्पो की आमने-सामने भिड़ंत में छह लोगों की मौत हो गई, जबकि करीब १५ लोग घायल हुए। टेम्पो में कुल २१ श्रद्धालु सवार थे, जो गुजरात से बाबा रामदेवरा ध्वजा चढ़ाने जा रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार सड़क की गोलाई पर दोनों वाहन तेज रफ्तार में थे। ड्राइवर नियंत्रण नहीं रख पाए और देखते ही देखते गाड़ियां भीषण रूप से टकरा गईं। टक्कर इतनी जोरदार थी कि टेम्पो में सवार कई लोग बाहर जा गिरे। मौके पर चीख-पुकार मच गई। हादसे का सबसे दर्दनाक पहलू गुजरात के उस परिवार का था, जिसने पांच बेटियों के बाद हुए बेटे की मन्नत पूरी करने के लिए रामदेवरा में ध्वजा चढ़ाने का संकल्प किया था। लेकिन किस्मत को कुछ और ही मंजूर था—खुशी लेकर निकला सफर मातम में बदल गया और अब एक ही परिवार की छह अर्थियां उठेंगी। घायलों को तुरंत बालेसर व जोधपुर के अस्पतालों में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार जारी है।

जनता दर्शन में पहुंची मां की फरियाद सुनकर सीएम योगी की त्वरित मदद, ७ माह के मासूम का इलाज शुरू

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को 'जनता दर्शन' में पहुंचीं एक महिला की गंभीर फरियाद सुनकर तुरंत मानवीय सहायता प्रदान की। लखनऊ के राजेंद्र नगर, ऐशबाग निवासी इस महिला ने बताया कि वह किराये के मकान में रहकर सीमित साधनों में परिवार चला रही हैं, और उनके सात माह के मासूम बेटे को हृदय संबंधी गंभीर बीमारी है। इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार पर मुख्यमंत्री ने बच्चे को दुलारते हुए उसे तुरंत एंबुलेंस से केजीएमयू भेजने का आदेश दिया।

सीएम योगी के निर्देश पर केजीएमयू प्रशासन ने बच्चे का इलाज तत्काल शुरू कर दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि आप निश्चिंत रहें, सरकार आपके साथ है। बच्चे के इलाज में कोई बाधा नहीं आएगी। उनके हस्तक्षेप के बाद विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम बच्चे के उपचार में लग गई है।

६० से अधिक फरियादियों की शिकायतें सुनीं, अर्धसैनिक जवानों से कहा- आप सेवा करिए, परिवार की जिम्मेदारी सरकार की

'जनता दर्शन' में सोमवार को प्रदेशभर से ६० से अधिक लोग पहुंचे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ स्वयं प्रत्येक फरियादी के पास गए, उनका प्रार्थना पत्र लिया और संबंधित अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। इस दौरान बुलंदशहर के अर्धसैनिक बलों के जवान भी पहुंचे, जिन्होंने अपनी जमीन पर कब्जे की शिकायत की। सीएम योगी ने सैनिकों से कहा- आप देश की सुरक्षा में तैनात रहते हैं, आप अपना कर्तव्य निभाइए। आपके परिवार की जिम्मेदारी राज्य सरकार की है। उन्होंने अधिकारियों को मामले की जांच कर तत्काल समाधान करने का आदेश दिया। जनता दर्शन में जमीन कब्जे, आर्थिक सहायता, पुलिस, बिजली सहित कई विभागों से जुड़ी शिकायतें लेकर लोग पहुंचे थे। मुख्यमंत्री ने आश्वस्त किया कि जनता की सुरक्षा और सेवा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसी ध्येय के साथ प्रशासन कार्य कर रहा है।

उन्नाव में भव्य श्याम जागरण

संवाददाता

उन्नाव, उत्तर प्रदेश। शहर में भक्ति और श्रद्धा का अद्भुत संगम देखने को मिला जब श्री श्याम सेवा समिति, उन्नाव द्वारा बाबा खाटू श्याम के सुमिरन एवं आशीर्वाद हेतु भव्य श्याम जागरण का आयोजन किया गया। १५ नवंबर २०२५ की रात्रि को अत्यंत उत्साह और विधि-विधान के साथ आयोजित इस जागरण में हजारों की संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरुआत समिति के सदस्य धीरज तिवारी, प्रकाश शुक्ला, संजय वाजपेई, दुर्गेश दीक्षित, श्याम बहादुर, शिव शंकर प्रजापति, दीपक, मोहित द्विवेदी, सदर विधायक पंकज गुप्ता तथा अन्य भक्तों द्वारा बाबा श्याम की आरती, ज्योत प्रज्वलन और कीर्तन के साथ हुई। आयोजन स्थल को आकर्षक विद्युत सज्जा, फूल-मालाओं और बाबा श्याम की भव्य झांकी से सजाया गया था, जिसे देखने के लिए भक्तों का भारी सैलाब उमड़ पड़ा। जागरण में प्रसिद्ध भजन गायकों ने 'श्याम नाम रस बरसाए', 'हारे के सहारे श्याम हमारे' और कई अन्य मनमोहक भजनों की प्रस्तुति दी, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। देर रात तक भक्तजन नाचते-गाते बाबा श्याम के जयकारों से माहौल को गुंजायमान करते रहे। समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि शहर की सुख-समृद्धि और शांति के लिए यह जागरण आयोजित किया गया था। उन्होंने कहा कि समाज में सकारात्मक ऊर्जा और सद्भावना फैलाने के उद्देश्य से भविष्य में भी ऐसे धार्मिक और सामाजिक कार्यक्रम निरंतर आयोजित किए जाएंगे। समारोह का समापन बाबा खाटू श्याम के जयकारों और महाप्रसाद वितरण के साथ हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए।

सतीश कुमार शुक्ला ने बार काउंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश सदस्य पद के लिए किया नामांकन

डॉ अंशुमान अग्निहोत्री

उन्नाव, उत्तर प्रदेश। जनपद उन्नाव से बार काउंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश के सदस्य पद हेतु एकमात्र प्रत्याशी के रूप में उन्नाव बार एसोसिएशन के आठ बार अध्यक्ष रह चुके वरिष्ठ अधिवक्ता सतीश कुमार शुक्ला ने शुक्रवार को भारी संख्या में अधिवक्ताओं के साथ प्रयागराज स्थित बार काउंसिल कार्यालय पहुंचकर शुभ मुहूर्त में अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। नामांकन के बाद जारी बयान में सतीश कुमार शुक्ला ने कहा कि वे अधिवक्ताओं की समस्याओं के समाधान और उनकी सेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते आए हैं। उन्होंने कहा कि अब वे पूरे उत्तर प्रदेश के अधिवक्ताओं की समस्याओं के निराकरण हेतु बार काउंसिल के सदस्य के रूप में काम करना चाहते हैं। उन्होंने भरोसा जताया कि जनपद उन्नाव के साथ-साथ राज्यभर के अधिवक्ताओं का मिल रहा व्यापक समर्थन उनकी जीत को लगभग सुनिश्चित कर रहा है। नामांकन के दौरान बड़ी संख्या में अधिवक्ता मौजूद रहे, जिनमें पूर्व महामंत्री अरविंद दीक्षित, राजेंद्र बाजपेई, धर मंगल सिंह, रजनीश सिंह चंदेल, बालमुकुंद द्विवेदी, प्रदीप शुक्ला, शारदेंदु शुक्ला, संजीव सिंह चौहान, ऋतुराज सिंह चौहान, ललित पांडे, अभिषेक साजन, हृदय नारायण तिवारी, दिव्या मिश्रा, सुषमा द्विवेदी, सुनीता दुर्गेश द्विवेदी, अवनीश तिवारी, विनय यादव, अजीत रावत, शाहिद सहित सैकड़ों अधिवक्ता शामिल रहे।

कांग्रेस कमेटी में टैलेंट हंट कार्यक्रम
राष्ट्रीय प्रतिभा खोज अभियान से युवाओं को जोड़ने का संकल्प

संवाददाता

उन्नाव, उत्तर प्रदेश। उन्नाव कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में जिला कांग्रेस कार्यालय में टैलेंट हंट कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें युवाओं को राष्ट्रीय प्रतिभा खोज कार्यक्रम से जोड़ने का संकल्प लिया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को तैयार करना, प्रशिक्षित करना और कांग्रेस की नई पीढ़ी के रूप में सशक्त नेतृत्व विकसित करना बताया गया। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सुरेंद्र कुशवाहा ने कहा कि यह कार्यक्रम युवाओं की प्रतिभा को तराशने और उन्हें मीडिया बहस, सार्वजनिक विमर्श तथा इतिहास की समझ के लिए तैयार करने का महत्वपूर्ण माध्यम बनेगा।

उन्होंने कहा कि प्रशिक्षित युवाओं को समाज में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए सक्षम बनाया जाएगा। जिला कांग्रेस कमेटी के अनुसार युवाओं को एक प्रतिवेदन के माध्यम से जोड़ा जाएगा। चयनित युवाओं का साक्षात्कार ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी कार्यालय में होगा। इसके बाद चयनित प्रतिभागियों को सार्वजनिक मंचों पर कांग्रेस की विचारधारा, नीतियों और कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने हेतु प्रशिक्षित किया जाएगा। यह अभियान नई पीढ़ी के निर्माण की दिशा में कांग्रेस का महत्वपूर्ण प्रयास माना जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान जिला उपाध्यक्ष संगठन चंद्र प्रकाश शुक्ला, वरिष्ठ उपाध्यक्ष हनुमत सिंह, उपाध्यक्ष जावेद कमाल, जिला कोषाध्यक्ष शिवम अवस्थी, जिला महासचिव अजय गौतम, महासचिव सुयश बाजपेई, सचिव आशुतोष शर्मा, बोधराज सिंह, ब्लॉक अध्यक्ष प्रदीप कुमार शर्मा, वक्ता संजीव श्रीवास्तव एवं कार्यालय प्रभारी अमित कुमार मौर्य सहित कई पदाधिकारी मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

आजम खान और अब्दुल्ला आजम दो पैन कार्ड मामले में दोषी, सात-सात साल की सजा

संवाददाता

रामपुर, उत्तर प्रदेश। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आज़म खान और उनके बेटे अब्दुल्ला आज़म खान को दो पैन कार्ड रखने के मामले में रामपुर की अदालत ने दोषी करार देते हुए सात-सात वर्ष की सज़ा सुनाई है। यह फैसला सोमवार को सुनाया गया।

यह मामला वर्ष २०१९ में नगर विधायक रहे आकाश कुमार सक्सेना द्वारा दर्ज कराया गया था। आरोप था कि अब्दुल्ला आज़म ने दो अलग-अलग पैन कार्ड बनाए थे और उनमें से एक दस्तावेज़ का इस्तेमाल चुनावी हलफनामों में किया गया। ट्रायल के दौरान प्रस्तुत साक्ष्यों के आधार पर अदालत ने आज़म खान और उनके बेटे को दोषी पाया। इस केस में अब्दुल्ला आज़म ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में भी याचिका दायर की थी, जिसमें ट्रायल की कार्यवाही को रद्द करने की मांग की गई थी, लेकिन जुलाई २०२५ में हाईकोर्ट ने उनकी याचिका खारिज कर दी। इसी महीने की शुरुआत में अब्दुल्ला आज़म को एक अन्य मामले पासपोर्ट के लिए फर्जी दस्तावेज़ के इस्तेमाल में भी राहत नहीं मिली थी। सुप्रीम कोर्ट ने उनके खिलाफ दर्ज एफआईआर को रद्द करने से इनकार कर दिया था और कहा था कि ट्रायल कोर्ट को मामले का फैसला करने दिया जाए।

आज़म खान को एक अन्य मामले में राहत, लेकिन कानूनी मुश्किलें जारी

आजम खान को हाल ही में एक अन्य पुराने केस में राहत मिली थी। २०१९ लोकसभा चुनाव के दौरान तत्कालीन एसडीएम सदर पीपी तिवारी ने उनके खिलाफ भड़काऊ भाषण देने का मामला दर्ज कराया था। अदालत ने पाया कि पुलिस पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत नहीं कर पाई, जिसके बाद आज़म खान को इस मामले में बरी कर दिया गया। हालाँकि, पैन कार्ड और पासपोर्ट मामलों से जुड़ी कानूनी चुनौतियाँ आज़म खान और उनके बेटे अब्दुल्ला आज़म के लिए अब भी गंभीर बनी हुई हैं। दो पैन कार्ड केस में सज़ा के बाद, राजनीतिक और कानूनी मोर्चों पर उनकी मुश्किलें और बढ़ती दिखाई दे रही हैं।

झांसी में महादेवी वर्मा वाद-विवाद प्रतियोगिता सम्पन्न, रघुराज सिंह इंटर कॉलेज की छात्राएँ मण्डल में अव्वल

देवेश प्रताप सिंह राठौर

झांसी, उत्तर प्रदेश। माध्यमिक शिक्षा विभाग, उत्तर प्रदेश की पहल पर आयोजित महीयासी महादेवी वर्मा वाद-विवाद प्रतियोगिता का मण्डलीय स्तर पर आयोजन सोमवार को श्री आर्य कन्या इंटर कॉलेज, झाँसी में हुआ। झाँसी मण्डल के विभिन्न जनपदों से चयनित प्रतिभागियों ने प्रतियोगिता में उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। प्रतियोगिता का विषय 'वर्तमान जीवन प्रणाली एवं पनपता अवसाद' रखा गया था, जिस पर प्रतिभागियों ने पक्ष और विपक्ष में अपने सारगर्भित और तर्कपूर्ण विचार रखे। कार्यक्रम का शुभारंभ जिला विद्यालय निरीक्षक रती वर्मा के मुख्य आतिथ्य में हुआ।

उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि आधुनिक जीवनशैली की तेज़ रफ्तार और कृत्रिमता ने अवसाद जैसी मानसिक समस्याओं को बढ़ावा दिया है, इसलिए संतुलित जीवन और मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देना अत्यंत आवश्यक है। प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में डॉ. अलका नायक, प्राचार्या, आर्य कन्या डिग्री कॉलेज निधि चौहान, प्रधानाचार्य, सूरज प्रसाद राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, राजीव कुमार श्रीवास्तव, प्रधानाचार्य व श्री लक्ष्मी व्यायाम मंदिर इंटर कॉलेज शामिल थे। निर्णायकों द्वारा दिए गए अंकों के आधार पर श्री रघुराज सिंह इंटर कॉलेज, झाँसी की छात्राएँ दृष्टि अहिरवार (पक्ष) और किंजल साहू (विपक्ष) ने उत्कृष्ट प्रस्तुति देकर मण्डल स्तरीय प्रथम स्थान प्राप्त किया। अन्य प्रतिभागियों में निहारिका पाल और सुहाना खान ने भी प्रभावशाली वक्तव्य देकर सभी को प्रभावित किया। मण्डलीय सांस्कृतिक समन्वयक नीतु सिंह ने बताया कि मण्डल स्तर पर विजयी छात्राएँ आगामी १० दिसंबर को अयोध्या में आयोजित राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेंगी। कार्यक्रम को सफल बनाने में हेमलता, नीलम त्रिपाठी, रेनू सिंह, योगिता सिंह, कल्पना वर्मा, दमयंती वर्मा, मिथलेश सोनी, सीमा चौहान, सुनीता शुक्ला, अर्चना सिंह और आशिक़ी त्रिपाठी का महत्वपूर्ण योगदान रहा। कार्यक्रम का संचालन ममता श्रीवास ने किया। अंत में विद्यालय की प्रधानाचार्या अनीता कनौजिया ने उपस्थित अतिथियों एवं निर्णायकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

मालिक, प्रकाशक व मुद्रक- सुनील कुमार तिवारी द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट नं. ०४, ग्राउंड फ्लोर. एन.के.इंडस्ट्रीयल इस्टेट, ऑफ आरे रोड, नियर प्रवासी इंडस्ट्रीयल इस्टेट, गेट नं ०२, गोरेगांव (पूर्व) मुंबई-४०००६३ से मुद्रित व ६१७, बिल्डिंग नं.१४ नियर शिव शक्ति बिल्डिंग, गोलीबार रोड, सान्ताक्रुज़ (पूर्व) मुंबई-४०००५५ से प्रकाशित। संपादक : सुनील कुमार तिवारी, RNI. NO. MAHMUL/2017/74054, संपादकीय कार्यालय- कंटेश्वर सिंह चाल, अपोजीट एकताड़ मंडल, साईं बाबा रोड, खार (पूर्व), मुंबई- 400051, Mob.8898271111